करेंट अफेयर्स

राजस्थान

(संग्रह)

नवम्बर 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान....4

- राजस्थान में 'मरू ज्वाला' अभ्यास....4
- राजस्थान में खुशी शाला कार्यक्रम....4
- राजस्थान में आदर्श वेद विद्यालयों का शुभारंभ....5
- कुसुम योजना से 282 करोड़ रुपये से अधिक की बचत....6
- सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य का विस्तार....7
- गड़ीसर झील....9
- ऑपरेशन मुस्कान....10
- राजस्थान का iStart पोर्टल....10
- आना सागर झील....11
- एशियाई कैराकल....12
- घूमर नृत्य....14
- राजस्थान-अरब सागर संपर्क परियोजना....15
- भामाशाह नीति....15
- RSCERT का कॅरियर शिक्षा कार्यक्रम....16
- जयपुर वॉल्ड सिटी....17
- राजस्थान में बाघों का स्थानांतरण....17

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स....19

- राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन गणना 2025 प्रारंभ....19
- LVM3-M5 प्रक्षेपण: ISRO ने भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह 'GSAT-7R' का सफल प्रक्षेपण किया....20
- त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025'....21
- पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDEI) 2025....22
- भारतीय महिला टीम ने क्रिकेट विश्व कप 2025 जीता....23
- क्यूएस रैंकिंग एशिया 2026 में 137 भारतीय संस्थान....24

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026
SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- अमूल विश्व की शीर्ष सहकारी समितियों में प्रथम 25
- गुरु नानक देव जयंती 26
- मालदीव ने विश्व में पहली बार पीढ़ीगत धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया 27
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला 28
- भारतीय नौसेना द्वारा 'इक्षक' नौसेना में शामिल 28
- राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष 29
- विशेष अभियान 5.0 30
- राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 2025 30
- गूगल का प्रोजेक्ट सनकैचर 31
- उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025 32
- खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025 33
- मालाबार अभ्यास 2025 34
- राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 2025 35
- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2025 36
- भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) 37
- बुकर पुरस्कार 2025 37
- अमोनियम नाइट्रेट 38
- गरुड़ अभ्यास 2025 39
- अजय वारियर-25 अभ्यास 40
- विश्व मत्स्य दिवस 2025 41
- गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस 42
- हायली गुब्बी ज्वालामुखी 44
- नई चेतना 4.0 अभियान 45
- भारत में राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन 46
- राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025 47
- भारत उष्ण कटिबंधीय वन निधि में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल 48

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

राजस्थान

राजस्थान में 'मरू ज्वाला' अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

भारतीय सशस्त्र बलों ने देश के सबसे बड़े **त्रि-सेवा अभ्यास** के तहत **11 नवंबर, 2025** को **राजस्थान के** थार रेगिस्तान में ऑपरेशन त्रिशूल के **'मरु ज्वाला' चरण** का सफल आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **मरु ज्वाला अभ्यास:**
  - इस व्यापक युद्धाभ्यास में **टी-90 भीष्म टैंकों**, **सटीक मिसाइल प्रक्षेपण**, **UAV निगरानी** तथा **लाइव-फायर** अभ्यास शामिल थे, जिसमें रेगिस्तानी अभियानों के लिये थल सेना **और** वायु सेना की संयुक्त युद्ध रणनीति का परीक्षण किया गया।
  - इस अभ्यास ने दोनों सेनाओं के बीच **वास्तविक समय समन्वय** और **एकीकृत थिएटर कमान (Integrated Theatre Command) दृष्टिकोण** की प्रभावशीलता को प्रदर्शित किया।
- **अगाडावा हवाई पट्टी:**
  - **राजस्थान के बाड़मेर ज़िले** में **राष्ट्रीय राजमार्ग 925A** पर स्थित **3 किमी. लंबी अगाडावा हवाई पट्टी**, जो **पाकिस्तान सीमा से लगभग 40 किमी.** दूर है, इस अभ्यास का प्रमुख स्थल रही।
  - यहाँ राफेल, तेजस **और** सुखोई-30 MKI जैसे लड़ाकू विमानों ने **आपातकालीन लैंडिंग तथा टेक-ऑफ अभ्यासों** का प्रदर्शन किया।
  - **सितंबर 2021 में उद्घाटित**, यह भारत की **पहली राष्ट्रीय राजमार्ग-आधारित आपातकालीन लैंडिंग सुविधा** है, जिसे **भारतीय वायुसेना (IAF)** और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।

राजस्थान में खुशी शाला कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान **राज्य** शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (RSCERT) ने कक्षा 1-5 तक के विद्यार्थियों के लिये एक अग्रणी मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण पहल **खुशी शाला** शुरू की है।

- राजस्थान प्राथमिक शिक्षा में इस प्रकार का कार्यक्रम शुरू करने वाला **भारत का पहला राज्य** है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - इस कार्यक्रम का उद्देश्य **युवा विद्यार्थियों** को सफलता और असफलता दोनों का सामना करने का तरीका सिखाकर उनके मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाना है।
  - यह बच्चों को असफलताओं से विचलित हुए बिना **अपनी सीखने की यात्रा** निरंतर जारी रखने हेतु प्रेरित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मुख्य घटक:**
  - **माइंडफुलनेस व्यायाम:** शरीर और मन के बीच संबंध के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये गतिविधियाँ।
  - **करुणा विकास:** विद्यार्थियों में **करुणा और सहानुभूति** का पोषण करने के लिये विशेष गतिविधियाँ।
  - **आत्म-खोज मार्गदर्शन:** विद्यार्थियों को उनके **व्यक्तिगत मूल्य** पहचानने और उनके अनुसार महत्त्वपूर्ण चीज़ों को आगे बढ़ाने में मदद करना।
- **पायलट परियोजना (2024):**
  - **वर्ष 2024 में** सिरोही और बाँसवाड़ा ज़िलों में प्रत्येक में 30-30 स्कूलों में आयोजित की गई; विद्यार्थियों में परिवर्तन का अवलोकन करने हेतु **120 शिक्षकों** को प्रशिक्षण दिया गया।
- **शिक्षक प्रशिक्षण:**
  - पायलट प्रोजेक्ट के पश्चात **165 शिक्षकों** को **राज्य संसाधन समूह** बनाने हेतु प्रशिक्षित किया गया।
    - ये शिक्षक अब **ज़िला स्तर** पर अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।
  - दिसंबर, 2025 तक विभाग का लक्ष्य प्रत्येक ज़िले में **40 प्रशिक्षित शिक्षक** और **राज्य में लगभग 12,000 शिक्षकों** को प्रशिक्षित करना है।
    - इसके अतिरिक्त प्रत्येक पंचायत में कम-से-कम एक प्रशिक्षित शिक्षक सुनिश्चित करना है।
- **शिक्षक पुस्तिकाएँ:**
  - **कक्षा 1-5** के लिये विशेष पुस्तिकाएँ, **क्षमतालय फाउंडेशन** और अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संगठन **ब्रियो** के सहयोग से विकसित की गई हैं।
  - ये पुस्तिकाएँ **मास्टर प्रशिक्षकों** के लिये मुद्रित की गई हैं।
  - दिसंबर से सभी **प्राथमिक स्कूल शिक्षकों** के लिये इन पुस्तिकाओं का **मोबाइल-अनुकूल संस्करण** उपलब्ध हो जाएगा।

राजस्थान में आदर्श वेद विद्यालयों का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

राज्य में संस्कृत शिक्षा **के प्रसार और संवर्द्धन** हेतु राजस्थान के **संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर** ने 1 अप्रैल, 2026 से **सभी प्रभागीय मुख्यालयों** में आदर्श वेद विद्यालय शुरू करने की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य राजस्थान में **संभागीय स्तर पर संस्कृत शिक्षा** को प्रोत्साहन देना तथा वैदिक अध्ययन की परंपरा को पुनर्जीवित करना है।
- **प्रथम चरण:**
  - चार **आदर्श वेद विद्यालयों** की स्थापना की गई है, जो वर्तमान में **संस्कृत शिक्षा विभाग** के भवनों या अन्य **सरकारी परिसरों** से अस्थायी रूप में संचालित हो रहे हैं।
    - वर्तमान केंद्र **हाथोज (जयपुर), तारातारा मठ (बाड़मेर), पुष्कर (अजमेर)** और **पीली गाँव (भरतपुर)** में स्थित हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **बुनियादी ढाँचे का विकास:**
  - प्रत्येक **वेद विद्यालय** में **वैदिक शिक्षा के चार विशेषज्ञ शिक्षक** नियुक्त होंगे तथा **प्रशासनिक सहयोग** हेतु पाँच विभागीय कार्मिक नियुक्त किये जा सकेंगे।
  - सभी सात संभागों में आदर्श वेद विद्यालयों के **स्थायी परिसरों के निर्माण** के लिये भूमि आवंटित की जा चुकी है, जिनमें **हाथोज (जयपुर)**, **पुष्कर (अजमेर)**, **पीली (भरतपुर)**, **चेचट (कोटा)**, **गोमरख (जोधपुर)**, **भटेवर (उदयपुर)** और **नलबाड़ी (बीकानेर)** शामिल हैं।
- **वैदिक परंपराएँ:**
  - इन **वैदिक गुरुकुलों** और **वैदिक पर्यटन केंद्रों** का संचालन पूर्णत: **पारंपरिक वैदिक रीति-नीति** के अनुरूप किया जाएगा।
  - इन केंद्रों पर **वेदों और वैदिक परंपराओं** में दक्ष प्रशिक्षित कार्मिकों की नियुक्ति की जाएगी।
- **वैदिक संस्कार एवं शिक्षा बोर्ड का गठन:**
  - **अप्रैल, 2025** में राजस्थान सरकार ने संभाग स्तर पर नव स्थापित वेद विद्यालयों एवं तीन वैदिक गुरुकुलों सहित सभी **वैदिक शिक्षण संस्थानों** के संचालन, निगरानी और समन्वयन हेतु **वैदिक संस्कार एवं शिक्षा बोर्ड** की स्थापना की।

कुसुम योजना से 282 करोड़ रुपये से अधिक की बचत

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान की विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने विगत **18 महीनों में** '**कुसुम योजना**' के माध्यम से **282 करोड़ रुपये से अधिक की बचत** की है।

- यह योजना कृषि कनेक्शनों को **सौर ऊर्जा से जोड़ने** तथा किसानों को **बंजर एवं अर्द्ध-बंजर भूमि से आय सृजन** में सक्षम बनाने पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- राजस्थान **योजना के घटक-ए** में देश में अग्रणी राज्य है, जो किसानों को **2 मेगावाट तक क्षमता वाले संयंत्र** स्थापित करने की अनुमति देता है। **घटक-सी** में भी राज्य **तीसरे स्थान** पर है।
- **अवसंरचना:**
  - राज्य ने इस योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय गति दिखाई है। केवल **20 महीनों** में **942 सौर संयंत्र** स्थापित किये गए हैं, जिनकी **कुल क्षमता 2,100 मेगावाट** है।।
  - वर्तमान में **41 ज़िलों** में **1.36 लाख सौर पंप** संचालित हैं, जिन्हें **1,034 सौर संयंत्रों** से विद्युत प्राप्त होती है। जबकि **22 ज़िलों** में ये पंप **दो पालियों** में संचालित किये जाते हैं।
- **लक्ष्य:**
  - राजस्थान ने **मार्च, 2026** तक **11,632 मेगावाट सौर क्षमता** प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे **विद्युत क्रय लागत** में और कमी आने की संभावना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पीएम-कुसुम योजना

- **परिचय:**
  - पीएम-कुसुम (**प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान**) भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई एक प्रमुख योजना है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य **सौर ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में बदलाव लाना है।**
  - यह योजना **कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग** को प्रोत्साहित करते हुए **सिंचाई लागत कम** करने और **अधिक सौर ऊर्जा को ग्रिड में बेचने** की सुविधा प्रदान करके **किसानों की आय बढ़ाने** का लक्ष्य रखती है।
- **घटक:**
  - **घटक-A:** किसानों की बंजर/परती/चरागाह/दलदली/कृषि योग्य भूमि पर 10,000 मेगावाट के **विकेंद्रीकृत ग्राउंड/स्टिल्ट माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना।**
  - **घटक-B:** ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में 20 लाख स्टैंड-अलोन सौर पंपों की स्थापना।
  - **घटक-C:** 15 लाख **ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों** का सोलराइज़ेशन: जिसमें व्यक्तिगत पंप और फीडर-स्तरीय सौरकरण दोनों शामिल हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **डीज़ल पर निर्भरता कम करना:** यह योजना सिंचाई **हेतु सौर ऊर्जा चालित पंपों** के उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जिससे **महँगे डीज़ल चालित पंपों पर निर्भरता** कम होती है।
  - **किसानों की आय में वृद्धि:** किसानों को **ग्रिड को अतिरिक्त सौर ऊर्जा बेचने** की सुविधा देकर, यह योजना उनकी **वित्तीय स्थिरता** बढ़ाती है।
  - **जल एवं ऊर्जा सुरक्षा में सुधार:** सौर पंप और **सामुदायिक सिंचाई परियोजनाएँ** किसानों के लिये **जल तथा ऊर्जा सुरक्षा** में सुधार सुनिश्चित करती हैं।
  - **पर्यावरणीय प्रभाव:** पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों को **सौर ऊर्जा** से प्रतिस्थापित करके, यह योजना पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करती है और **स्वच्छ ऊर्जा** को प्रोत्साहित करती है।

सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य का विस्तार

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने नियामक समीक्षा और अनुमोदन के उपरांत सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य **के बफर ज़ोन का** विस्तार करते हुए उसमें **44,000 हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त क्षेत्र** को इसमें शामिल कर दिया है।

मुख्य बिंदु

- **विस्तार के बारे में:**
  - इस विस्तारित क्षेत्र को **बफर ज़ोन** के रूप में अधिसूचित किया गया है, जिसमें मुख्य क्षेत्र के आस-पास स्थित **वन भूमि और राजस्व भूमि** को एकीकृत किया गया है।
  - यह विस्तार **सर्वोच्च न्यायालय** के उस निर्देश के पश्चात किया गया है जिसमें **महत्त्वपूर्ण बाघ आवास (CTH)** की सीमाओं और उसकी संपर्कता की समीक्षा अनिवार्य की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य**
    - यह राजस्थान के **अलवर ज़िले** में स्थित है और अरावली पर्वतमाला का हिस्सा है, जिसमें **शुष्क पर्णपाती वन** तथा चट्टानी भूभाग पाए जाते हैं।
    - इसे वर्ष **1955** में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया और वर्ष **1978** में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत **टाइगर रिज़र्व** घोषित किया गया।
    - यह वर्ष 2004 में स्थानीय विलुप्ति के पश्चात **सफल बाघ पुन:प्रवेश कार्यक्रम** के लिये प्रसिद्ध है, जिसके तहत बाघों को रणथंभौर से स्थानांतरित किया गया।
        - यह क्षेत्र **सरिस्का-रणथंभौर परिदृश्य** को जोड़ने वाला एक महत्त्वपूर्ण वन्यजीव गलियारा बनाता है, जो दीर्घकालिक बाघ संरक्षण में सहायक है।
    - इसके प्रमुख वन्यजीवों में बंगाल टाइगर, तेंदुआ, **धारीदार लकड़बग्घा, कैराकल, सांभर, चीतल, नीलगाय, जंगली सूअर, लंगूर** तथा विविध पक्षी प्रजातियाँ शामिल हैं।
    - इसमें **घाटियाँ, पठार, मौसमी धाराएँ (नाले)** तथा **सिलिसेढ़** और **मानसरोवर** जैसी झीलें हैं, जो आवास (habitat) को पोषण प्रदान करती हैं।
    - अभयारण्य में **कांकवारी किला** जैसी एतिहासिक संरचनाएँ भी स्थित हैं, जो इसके सांस्कृतिक महत्त्व में वृद्धि करती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गड़ीसर झील

चर्चा में क्यों ?

जैसलमेर की **गड़ीसर झील संरक्षण संबंधी समस्याओं** का सामना कर रही है, जिसके चलते **राजस्थान हाईकोर्ट** ने राज्य सरकार को झील के संरक्षण की योजना पर विस्तृत उत्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

मुख्य बिंदु

- **गड़ीसर झील राजस्थान** के **जैसलमेर** में स्थित **14वीं शताब्दी** की एक **कृत्रिम जल-संरक्षण झील** है।
- इसे मूल रूप से **राजा रावल जैसल** ने बनवाया था तथा बाद में **महरावल गदसी सिंह** ने इसका पुनर्निर्माण कराया, जिनके नाम पर इसका वर्तमान नाम पड़ा।
- ऐतिहासिक रूप से यह झील जैसलमेर के लिये **प्राथमिक जल स्रोत** थी और मरुस्थलीय क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण **वर्षा जल-संग्रह एवं संरक्षण प्रणाली** के रूप में कार्य करती थी।
- झील का **कैचमेंट क्षेत्र अतिक्रमण, शहरी दबाव, गाद जमाव तथा प्रदूषण के कारण सिकुड़** गया है, जिससे इसका पारिस्थितिक संतुलन खतरे में पड़ गया है।
- **गड़ीसर झील स्थानीय जैवविविधता** का समर्थन करती है, विशेषकर शीत ऋतु में **प्रवासी पक्षियों** का आवास बनकर, जिससे यह एक महत्त्वपूर्ण **शहरी-आर्द्रभूमि** (Urban Wetland) पारिस्थितिकी तंत्र बनती है।
- इसके चारों ओर बने **घाट, मंदिर और छतरियाँ** इसे एक समृद्ध **सांस्कृतिक-वास्तुकला विरासत क्षेत्र** बनाते हैं और **तिलोन-की-पोल प्रवेशद्वार (Tilon-ki-Pol Gateway), नौकायन गतिविधियों (Boating Activities)** तथा **मनोहारी दृश्य (Scenic Vistas)** आज भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

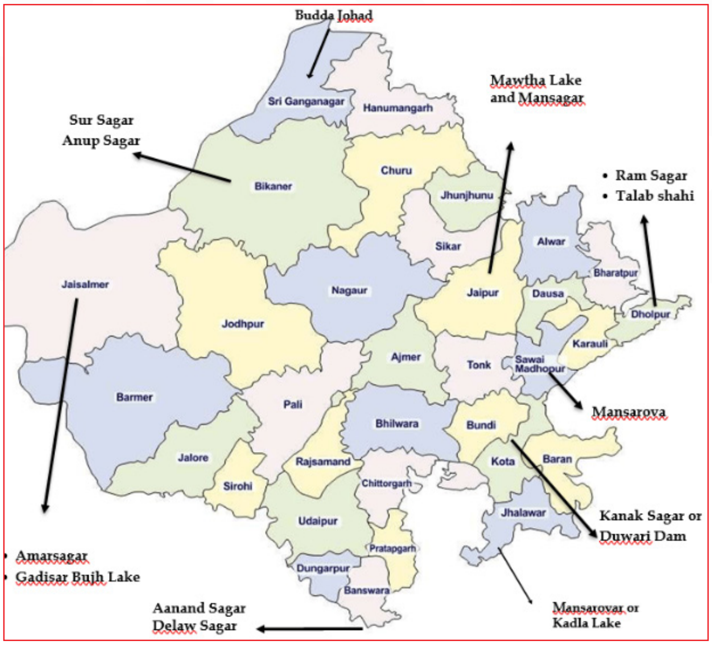

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

ऑपरेशन मुस्कान

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश से लापता 17 वर्षीय किशोरी को ऑपरेशन मुस्कान के तहत समन्वित प्रयासों के माध्यम से राजस्थान में **पाकिस्तान सीमा के निकट** से ढूँढकर सुरक्षित बचा लिया गया।

मुख्य बिंदु

- लापता बच्चों को बचाने, बाल-तस्करी को रोकने तथा सुरक्षित प्रत्यावर्तन सुनिश्चित करने के लिये **गृह मंत्रालय** द्वारा **ऑपरेशन मुस्कान** प्रारंभ किया गया था।
    - इसे आमतौर पर ऑपरेशन स्माइल के नाम से भी जाना जाता है। इसकी शुरुआत **वर्ष 2014 में गाज़ियाबाद पुलिस द्वारा एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी**, जिसे उल्लेखनीय सफलता प्राप्त होने के उपरांत **जुलाई, 2015 में गृह मंत्रालय (MHA) द्वारा अपनाया गया तथा देशभर में लागू किया गया।**
- इस अभियान में **पुलिस, बाल कल्याण समितियाँ, श्रम एवं सामाजिक कल्याण विभाग शामिल** हैं तथा इसमें लापता बच्चों के राष्ट्रीय डेटाबेस, नागरिक सूचनाओं तथा अंतर-राज्यीय समन्वय जैसे उपकरणों का उपयोग किया जाता है।
- ये टीमें गृह मंत्रालय के **TrackChild पोर्टल** का उपयोग करती हैं तथा बचाए गए बच्चों का मिलान लापता बच्चों के राष्ट्रीय डेटाबेस से करने के लिये प्राय: **फेस-रिकग्निशन सॉफ्टवेयर (जैसे दर्पण)** का उपयोग करती हैं।
- प्रमुख गतिविधियों में गुमशुदा बच्चों का **पंजीकरण, संवेदनशील स्थानों का मानचित्रण, बचाव अभियान**, **पुनर्वास** तथा तस्करों या शोषकों के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई शामिल है

राजस्थान का iStart पोर्टल

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने घोषणा की कि **iStart पोर्टल** राज्य की स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का एक प्रमुख प्रवर्तक बन चुका है, जिसमें **7,100 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत** हैं और 1,000 **करोड़** रुपये **से अधिक निवेश** सुनिश्चित किये गए हैं।

मुख्य बिंदु

- **iStart** राजस्थान सरकार का प्रमुख स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्यक्रम है, जिसे **सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (DOIT&C)** के माध्यम से संचालित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह **स्टार्टअप पंजीकरण, इनक्यूबेशन, फंडिंग, मेंटरशिप** और बाज़ार पहुँच के लिये एक **सिंगल-विंडो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म** प्रदान करता है।
- कार्यक्रम **हरित प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, सेवाएँ, मोबाइल/IoT** और स्थानीय चुनौती सहित विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप्स को कवर करता है।
- इनक्यूबेशन सहायता **iStart Nest Center** और **Technohub, जयपुर** के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है, जिसमें निशुल्क कार्यस्थल, इंटरनेट कनेक्टिविटी, हार्डवेयर संसाधन तथा मेंटरशिप शामिल हैं।
- वित्तीय प्रोत्साहनों में **विचार-स्तर अनुदान, प्रारंभिक वित्तपोषण, सरल ऋण और इक्विटी निवेश** शामिल हैं, साथ ही **महिला नेतृत्व वाले** तथा **ग्रामीण स्टार्टअप्स** को अतिरिक्त प्राथमिकता दी जाती है।
- इस पारिस्थितिकी तंत्र में स्टार्टअप्स की निवेश तत्परता का आकलन करने के लिये **QRATE रेटिंग प्रणाली** और प्रारंभिक चरण के उद्यमों के लिये बाज़ार में प्रवेश सुनिश्चित करने हेतु **सरकारी खरीद के प्रावधान** भी शामिल हैं।
- पोर्टल के माध्यम से स्टार्टअप गतिविधियों द्वारा राज्य में **42,500 से अधिक रोज़गार सृजित हुए** हैं।

आना सागर झील

चर्चा में क्यों?

अजमेर में आना सागर झील के निकट आर्द्रभूमि सीमा-चिह्नांकन को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हुए हैं, स्थानीय लोगों का मत है कि सीमांकन पक्षपातपूर्ण है तथा **समुचित वैज्ञानिक मूल्यांकन के बिना किया गया है।**

मुख्य बिंदु

- **आना सागर** अजमेर में स्थित 12वीं शताब्दी की एक कृत्रिम झील है, जिसका निर्माण पृथ्वीराज चौहान के दादा **आणाजी चौहान** द्वारा कराया गया था।
- बाद में मुगल काल में **जहाँगीर** ने झील परिसर में **दौलत बाग** का निर्माण कराया, जिसे आज **सुभाष उद्यान** के रूप में भी जाना जाता है।
- **शाहजहाँ** ने वर्ष 1637 में झील के चारों ओर **संगमरमर की बारादरी (मंडप)** का निर्माण करवाया, जिसने इसकी सौंदर्यात्मक महत्ता को और बढ़ा दिया।
- यह झील एक महत्त्वपूर्ण **शहरी आर्द्रभूमि** के रूप में कार्य करती है और **भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण** तथा स्थानीय सूक्ष्म जलवायु विनियमन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

Drishti IAS

परिचयः

- इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष 1971 में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- वर्ष 1975 में इसे लागू किया गया।
- ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थलः** पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

मोंट्रेक्स रिकॉर्डः

- वर्ष 1990 में मोंट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँः

- आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।
- यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।
- **विश्व आर्द्रभूमि दिवसः** 2 फरवरी

भारत और रामसर अभिसमयः

- भारत में रामसर अभिसमय वर्ष 1982 में लागू हुआ।
- **रामसर स्थलों की कुल संख्याः** 75
- चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
  - आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत 'आद्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, 2017' को अधिसूचित किया है।
  - ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थलः** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थलः** वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्यः** तमिलनाडु (14)
- **मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँः**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
  - लोकटक झील, मणिपुर

एशियाई कैराकल

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राजस्थान के **जैसलमेर ज़िले** में एक दुर्लभ एशियाई कैराकल देखा गया, जो भारत में इस प्रजाति के **अस्तित्व के संरक्षण की संभावना** को रेखांकित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **कैराकल के बारे में:**
  - एशियाई कैराकल एक **रात्रिचर और अत्यधिक मायावी जंगली बिल्ली** है, जो आवागमन, आश्रय तथा शिकार के लिये **झाड़ियों से ढके शुष्क भूमि पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर रहती है।**
- **शिकार व्यवहार:**
  - यह मुख्यत: **कृन्तक**, छोटे स्तनधारी और पक्षियों का शिकार करती है। अपनी **चपलता** तथा **कम-विक्षोभ वाले** शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क पारिस्थितिकी तंत्रों को प्राथमिकता देती है।
- **प्राकृतिक आवास:**
  - यह **अफ्रीका, मध्य पूर्व और मध्य एशिया में पाई जाती है** तथा विरल वनस्पति वाले खुले, शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में निवास करती है।
  - भारत में, यह **राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों** में, विशेष रूप से **अर्द्ध-शुष्क झाड़ियों, खड्ड प्रणालियों, खुले घास के मैदानों** तथा शुष्क पर्णपाती वन **में पाई जाती है।**
  - **थार रेगिस्तान क्षेत्र** में इसकी उपस्थिति विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ इसका दिखना अत्यंत दुर्लभ है और इसकी आबादी बहुत ही विरल है।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **वैश्विक दृष्टि से** IUCN रेड लिस्ट के अनुसार यह प्रजाति **सबसे कम चिंताजनक** (Least Concern) श्रेणी में वर्गीकृत है।
  - भारत में पाई जाने वाली कैरकल सहित, कैराकल की संपूर्ण एशियाई आबादी को CITES परिशिष्ट I में सूचीबद्ध किया गया है। यह वर्गीकरण दर्शाता है कि यह प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है और इसके नमूनों का **वाणिज्यिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आमतौर पर प्रतिबंधित है।**
  - इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972, **अनुसूची** I के तहत उच्चतम स्तर की कानूनी सुरक्षा प्राप्त है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

घूमर नृत्य

चर्चा में क्यों?

जयपुर शहर ने अपना पहला राज्य स्तरीय घूमर महोत्सव आयोजित किया, जिसका उद्देश्य राजस्थान की प्रतिष्ठित **लोक नृत्य परंपरा का सम्मान करते हुए राज्य की महिलाओं को संगठित करना** था।

- इसे राजस्थान के सभी **सात संभागीय मुख्यालयों** में एक साथ आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **घूमर नृत्य** पारंपरिक रूप से **शुभ अवसरों जैसे विवाह, त्योहार और वधु के आगमन का उत्सव** मनाने के लिये किया जाता है।
- यह **आनंद, अनुग्रह और नारीत्व का प्रतीक है** तथा इसे एक **अनुष्ठानिक नृत्य माना जाता है,** जो घर में समृद्धि एवं सौभाग्य लाता है।
- घूमर **को राजस्थान की** अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।
- **इसकी कोई निश्चित तिथि नहीं** है; यह सामाजिक, औपचारिक और उत्सवी अवसरों पर पूरे वर्ष किया जाता है।
- नर्तकियाँ रंग-बिरंगे **घाघरा-चोली और ओढ़नियाँ** तथा उनके घाघरों की **घुमावदार गति** इसकी दृश्य पहचान का मुख्य अंग है।
- **घूमर की उत्पत्ति** भील जनजाति से हुई, जो इसे **देवी सरस्वती** और स्थानीय देवताओं के सम्मान में अपने अनुष्ठानों में प्रस्तुत करते थे। बाद में इसे **राजपूत राजघरानों** ने अपनाया तथा परिष्कृत किया, जहाँ यह एक सुंदर **दरबारी** नृत्य शैली के रूप में विकसित हुआ।
- परंपरागत रूप से, **घूमर** शाम को किया जाता था, जिसमें महिलाएँ (**विशेष रूप से नवविवाहित वधुएँ**) परिवार और समुदाय में अपनी स्वीकृति दर्शाने के लिये गोल-गोल नृत्य करती थीं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राजस्थान-अरब सागर संपर्क परियोजना

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने **स्थलबद्ध राजस्थान** को सीधे **अरब सागर से जोड़ने वाली नई परिवहन संपर्क परियोजना** की प्रारंभिक योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य राज्य में **लॉजिस्टिक्स दक्षता, व्यापार सुगमता** और **औद्योगिक विकास** को सुधारना है।

मुख्य बिंदु

- प्रस्तावित संपर्क परियोजना का उद्देश्य **स्थलरुद्ध राजस्थान को अरब सागर क्षेत्र के लिये प्रत्यक्ष मल्टीमॉडल परिवहन लिंक प्रदान करना है**, मुख्य रूप से अंतर्देशीय जलमार्ग और बंदरगाह के माध्यम से, जिससे दूरस्थ बंदरगाहों पर निर्भरता कम होगी तथा **वैश्विक व्यापार मार्गों तक पहुँच में सुधार होगा।**
- यह योजना **प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान** के व्यापक ढाँचे के तहत परीक्षित की जा रही है और योजना के तहत **अरब सागर से जुड़ने के लिये राष्ट्रीय जलमार्ग-48 (NW-48)** का उपयोग किया जाएगा।
- राजस्थान वर्तमान में गुजरात के बंदरगाहों, विशेष रूप से **दीनदयाल बंदरगाह, मुंद्रा और पीपावाव** पर अत्यधिक निर्भर है तथा लंबी परिवहन दूरी के कारण निर्यातकों एवं उद्योगों के लिये लागत बढ़ जाती है।
- प्रस्ताव में **जालौर के निकट एक अंतर्देशीय बंदरगाह का निर्माण** तथा पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक ज़िलों (जैसे जालौर और बाड़मेर) को **दीनदयाल बंदरगाह** के माध्यम से कच्छ की खाड़ी से जोड़ने वाले नौगम्य जलमार्ग का विकास करना शामिल है।
- इस संपर्क योजना से **वस्त्र, सिरामिक्स, संगमरमर, खनिज, इंजीनियरिंग सामान और हस्तशिल्प** जैसे क्षेत्रों को समर्थन मिलने की संभावना है, जो राजस्थान की अर्थव्यवस्था के प्रमुख निर्यात घटक हैं।

भामाशाह नीति

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने **भामाशाह नीति 2025** को स्वीकृति दे दी है, जिसका उद्देश्य **परोपकारी** एवं **कॉर्पोरेट योगदानों** के माध्यम से **विद्यालय अवसंरचना में सुधार** करना है।

मुख्य बिंदु

- **नीति के बारे में:**
  - यह नीति **व्यक्तिगत दानदाताओं, अनिवासी भारतीयों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, ट्रस्टों** एवं **पूर्व छात्र समूहों** को सरकारी **विद्यालयों की अवसंरचना** को सुदृढ़ करने में योगदान देने हेतु प्रोत्साहित करती है।
  - योगदान का उपयोग **कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, खेल के मैदान, पेयजल इकाइयाँ, सीमा दीवारें** तथा **कैंपस के समग्र सुधार** जैसी सुविधाओं के लिये किया जा सकता है।
  - दानदाताओं को **राज्य पोर्टल** के माध्यम से **पट्टिका, प्रमाण-पत्र** एवं **डिजिटल पावती** सहित आधिकारिक मान्यता प्रदान की जाएगी।
  - **शिक्षा विभाग** द्वारा दाता-वित्तपोषित परियोजनाओं का समय पर **क्रियान्वयन, पारदर्शिता** एवं **निगरानी** सुनिश्चित की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भामाशाह:**
  - **भामाशाह** (1547–1600) मेवाड़ के महाराणा प्रताप के दरबार में एक प्रसिद्ध **कोषाध्यक्ष, सेनापति** एवं **दानवीर** थे।
  - उन्हें **मुगल शासन** के विरुद्ध **महाराणा प्रताप** के संघर्ष में सहयोग देने हेतु अपनी संपूर्ण **संपत्ति दान** करने के लिये याद किया जाता है।
  - उनकी विरासत **निस्वार्थ सार्वजनिक सेवा** एवं **समुदाय-संचालित समर्थन** का प्रतीक है, जिसका उल्लेख प्राय: **राजस्थान के शासन** एवं **कल्याणकारी पहलों** में किया जाता है।

RSCERT का कॅरियर शिक्षा कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (RSCERT) ने **राज्य के सरकारी स्कूल शिक्षकों** की **कॅरियर-परामर्श क्षमताओं** को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक नया कॅरियर शिक्षा कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - कॅरियर शिक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य **सरकारी शिक्षकों** को प्रशिक्षित करना है ताकि वे विद्यार्थियों को **शैक्षणिक विकल्प, व्यावसायिक मार्ग**, कौशल विकास **विकल्प** और **उभरती कॅरियर प्रवृत्तियों** के बारे में मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।
  - इससे शिक्षकों को **संरचित कॅरियर परामर्श** देने में मदद मिलेगी, विशेषकर **ग्रामीण** और **वंचित क्षेत्रों** के विद्यार्थियों को, जिनके पास पेशेवर मार्गदर्शन तक सीमित पहुँच है।
- **प्रमुख घटक:**
  - इस पहल में **कॅरियर मैपिंग, अभिरुचि समझ, NEP-2020-अनुरूप मार्गदर्शन, व्यावसायिक शिक्षा, डिजिटल शिक्षण अवसर** और **छात्रवृत्ति जागरूकता** पर आधारित **मॉड्यूल** शामिल हैं।
- **क्रियान्वयन:**
  - RSCERT ने **शैक्षणिक योजना** और **छात्र मार्गदर्शन** में स्कूलों को सहायता देने के लिये **प्रमाणित शिक्षक-परामर्शदाताओं** का एक **राज्यव्यापी पूल** बनाने की योजना बनाई है।
  - यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा, **प्रतियोगी परीक्षाओं** और **रोज़गार अवसरों** के लिये विद्यार्थियों की तैयारी में सुधार लाने के राज्य के व्यापक लक्ष्य का समर्थन करता है

RSCERT

- **राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (RSCERT)** राजस्थान में **स्कूल पाठ्यक्रम विकास, शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यपुस्तक तैयारी और शैक्षिक अनुसंधान** के लिये सर्वोच्च शैक्षणिक प्राधिकरण है।
- यह विद्यालय शिक्षा विभाग के अधीन कार्य करता है तथा राज्य की पाठ्यचर्या को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बनाता है।
- RSCERT शिक्षक क्षमता तथा सरकारी विद्यालयों में शिक्षण-प्राप्ति को मज़बूत करने के लिये **राज्य शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण संस्थान (SIERT), ज़िला संसाधन समूहों** तथा **SCERT-स्तरीय संस्थानों** के साथ भी समन्वय करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

जयपुर वॉल्ड सिटी

चर्चा में क्यों?

यूनेस्को ने शहरी दबावों और अनियमित निर्माण संबंधी चिंताओं के कारण राजस्थान के **पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग** से **जयपुर वॉल्ड सिटी** के **संरक्षण एवं प्रबंधन** पर एक विस्तृत **स्थिति रिपोर्ट** प्रस्तुत करने का आग्रह किया है।

मुख्य बिंदु

- **जयपुर वॉल्ड सिटी** को 18वीं शताब्दी की **योजनाबद्ध शहरी वास्तुकला** का एक अद्वितीय उदाहरण होने के कारण वर्ष 2019 में यूनेस्को द्वारा **विश्व धरोहर स्थल** के रूप में अंकित किया गया था।
- **महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय** द्वारा वर्ष 1727 में स्थापित यह शहर **वैदिक सिद्धांतों** तथा चौड़ी सड़कों, चौकियों और समान बाज़ारों वाली **ग्रिडिरोन योजना** पर आधारित है। पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित अन्य शहरों के विपरीत, जयपुर **मैदानी क्षेत्रों** में बसा हुआ है।
- यह अपनी **जीवंत संस्कृति**, **शिल्प**, **रत्न व्यापार**, **हथकरघा** और **जीवंत बाज़ार पारिस्थितिकी तंत्र** के लिये प्रसिद्ध है।
  - प्रमुख विशेषताओं में **सिटी पैलेस**, **हवा महल**, **गोविंद देव जी मंदिर**, **जंतर-मंतर**, **पारंपरिक गुलाबी अग्रभाग**, **शहर के द्वार** और **परस्पर संबद्ध बाज़ार** शामिल हैं।
- **संरक्षण प्रबंधन योजना (CMP)**, **एकीकृत प्रबंधन योजना** और **राज्य स्तरीय विरासत विनियमों** जैसे ढाँचों के तहत इसका संरक्षण किया जाता है, जो **अग्रभाग नियंत्रण**, **भवन की ऊँचाई**, **रंग एकरूपता** तथा **साइनबोर्ड मानकों** को नियंत्रित करते हैं।
- इसके खतरों में शहरी **भीड़भाड़**, **अतिक्रमण**, **संरचनात्मक तनाव**, **अनियमित व्यावसायीकरण** और **पारंपरिक वास्तुशिल्प चरित्र की हानि** शामिल हैं।

राजस्थान में बाघों का स्थानांतरण

चर्चा में क्यों?

राजस्थान अपने **पहले अंतरराज्यीय बाघ स्थानांतरण की योजना बना रहा है**, जो भारत में एक भूभाग से दूसरे भूभाग में बाघ का दूसरा स्थानांतरण होगा।

- **पहले** अंतरराज्यीय **स्थानांतरण** में **दो बाघ** शामिल थे: **कान्हा टाइगर रिज़र्व से एक नर** और **बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व (दोनों मध्य प्रदेश) से एक मादा**, जिन्हें वर्ष 2018 में **सतकोसिया टाइगर रिज़र्व** (ओडिशा) में स्थानांतरित किया गया था, लेकिन यह प्रयास विफल रहा।

मुख्य बिंदु

- **स्थानांतरण के बारे में:**
  - **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद **पेंच टाइगर रिज़र्व** (मध्य प्रदेश) से एक बाघिन को **बूँदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व (RVTR)** में हवाई मार्ग से लाया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- स्थानांतरण का उद्देश्य RVTR में **आनुवंशिक विविधता** को प्रोत्साहित करना तथा **व्यवहार्य प्रजनन आबादी** स्थापित करना है।
- बाघिन को **GPS रेडियो कॉलर** लगाया जाएगा, जिससे वास्तविक समय पर **निगरानी, गतिविधि विश्लेषण** और संभावित **संघर्ष या तनाव** का शीघ्र पता लगाया जा सकेगा।
- **राजस्थान का वन विभाग** वन्यजीव विज्ञान के विशेषज्ञों के साथ समन्वय कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह कार्य **IUCN स्थानांतरण प्रोटोकॉल** का पालन कर रहा है या नहीं, जिसमें **मुक्ति से पहले आवास का आकलन** और **मुक्ति के बाद निगरानी** शामिल है।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व:

- यह **राजस्थान के बूँदी ज़िले में स्थित है,** जिसका भूभाग कोटा और भीलवाड़ा क्षेत्रों तक विस्तृत है।
- यह **प्राचीन अरावली पर्वतमाला में स्थित है, जिसमें मेज, रामगढ़ और खारी** जैसी मौसमी नदियाँ बहती हैं, जो इसके अर्द्ध-शुष्क वन पारिस्थितिकी तंत्र को सहयोग प्रदान करती हैं।
- **इसे वर्ष 2022 में रणथंभौर**, **सरिस्का** और **मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व** के बाद **राजस्थान के चौथे टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित किया गया था।**
- इसका निर्माण **रामगढ़ विषधारी वन्यजीव अभयारण्य** के साथ-साथ आस-पास के वन खंडों और गलियारों से किया गया है, जो इसे **रणथंभौर टाइगर रिज़र्व से जोड़ते हैं,** जिससे यह एक महत्त्वपूर्ण **बाघ प्रवासन मार्ग** बन जाता है।
- इस आवास में **शुष्क पर्णपाती वन, झाड़ियाँ, घास के मैदान और नदी क्षेत्र शामिल हैं, जो इसे बाघों के आवागमन** तथा **शिकार की खोज** के लिये उपयुक्त क्षेत्र बनाते हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन गणना 2025 प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री **जॉर्ज कुरियन** ने ICAR-**केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI), कोच्चि** में **राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य गणना (MFC)** 2025 का शुभारंभ किया।

- यह भारत की **पहली पूर्णतः डिजिटाइज्ड मत्स्य गणना** है, जो **डेटा-आधारित और प्रौद्योगिकी-सक्षम समुद्री शासन** की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण प्रयास** है।

मुख्य बिंदु

- **गणना के बारे में:**
  - **राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य गणना 2025** एक **45-दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान** है, जिसका उद्देश्य भारत के **समुद्री मत्स्य क्षेत्र से संबंधित व्यापक आँकड़ों का संकलन** करना है।
  - यह गणना **9 तटीय राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों** में स्थित लगभग **4,000 समुद्री मत्स्य ग्रामों** के **12 लाख मत्स्य-गृहों (fisher households)** को कवर करेगी।
  - गणना की अवधि **3 नवंबर से 18 दिसंबर, 2025** तक निर्धारित की गई है।
  - इस पहल का **समन्वय मत्स्य विभाग (DoF), मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय** के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसमें **केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI) नोडल एजेंसी** तथा फिशरी सर्वे ऑफ इंडिया (FSI) **संचालन सहयोगी** के रूप में कार्य कर रही हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **समुद्री मत्स्य समुदायों, अवसंरचना एवं सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का एक व्यापक डिजिटल डाटाबेस** तैयार करना।
  - **सत्यापित डिजिटल डेटा** के माध्यम से **मत्स्य प्रबंधन का आधुनिकीकरण** तथा **कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार** करना।
  - सभी मत्स्य-समुदायों को **राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (NFDP)** से जोड़ना, ताकि **सरकारी योजनाओं तक पहुँच** को सुगम बनाया जा सके।
  - प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY) तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के **प्रभावी क्रियान्वयन** को सुनिश्चित करना।
- **डिजिटल प्रमाणित और रियल-टाइम डेटा संग्रह प्रणाली:**
  - पहली बार यह गणना **पूर्णतः डिजिटल पद्धति** से की जा रही है, जिसमें **CMFRI द्वारा विकसित दो विशेष मोबाइल अनुप्रयोगों (Apps)** का उपयोग किया जा रहा है, जिससे **सटीकता, पारदर्शिता एवं कार्यकुशलता** सुनिश्चित की जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मोबाइल उपकरण	वास्तविक कार्य	प्रभाव पर प्रभाव
व्यास भारत (VyAS Bharat)	डेटा अध्ययन और जियो-रेफरेंसिंग	12 लाख मत्स्य-गृहों से सामाजिक-आर्थिक डेटा और प्रमुख आँकड़ों को क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा उपयोग किया जाता है। प्रत्येक डेटा प्रविष्टि को भू-संदर्भन (geo-referenced) के माध्यम से एक विशिष्ट स्थान से जोड़ा जाता है।
व्यास सूत्र (VyAS Sutra)	सत्यापन और पर्यवेक्षण	यह क्षेत्रीय डेटा के त्वरित सत्यापन की सुविधा प्रदान करता है तथा देशभर में गणना की प्रगति की **रीयल-टाइम मॉनिटरिंग** हेतु एक **केंद्रीकृत डिजिटल मंच** उपलब्ध कराता है।

LVM3-M5 प्रक्षेपण: ISRO ने भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह 'GSAT-7R' का सफल प्रक्षेपण किया

चर्चा में क्यों?

भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं में **2 नवंबर, 2025** को एक बड़ा उन्नयन हुआ, जब **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** ने **श्रीहरिकोटा** से अपने भारी प्रक्षेपण यान LVM3-M5 (**जिसे लोकप्रिय रूप से 'बाहुबली' कहा जाता है**) के माध्यम से भारतीय नौसेना के लिये अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह **GSAT-7R** का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया।

मुख्य बिंदु

GSAT-7R: परिचय

- इसे विशेष रूप से **भारतीय नौसेना** के लिये तैयार किया गया है ताकि उसकी समुद्री संचार और कमांड अवसंरचना को आधुनिक बनाया जा सके।
- पूर्णतः स्वदेशी उपग्रह है, जिसमें **मल्टी-बैंड ट्रांसपोंडर** लगे हैं जो सतह, जलमग्न और हवाई नौसैनिक संसाधनों के बीच **आवाज़, वीडियो और डेटा संचार** को सक्षम बनाते हैं।
- पूरे **हिंद महासागर क्षेत्र (Indian Ocean Region- IOR)** में अबाधित और एन्क्रिप्टेड (सुरक्षित) कनेक्टिविटी प्रदान करता है।
- यह **रियल-टाइम सिचुएशनल अवेयरनेस** को बढ़ाता है, जिससे **जहाज़ों, पनडुब्बियों, एयरक्राफ्ट और कमांड सेंटर्स** के बीच **जॉइंट कोऑर्डिनेशन** हो पाता है।
- भारत की समुद्री क्षेत्र जागरूकता प्रणाली (Maritime Domain Awareness Grid) में एक **फोर्स मल्टीप्लायर** के रूप में कार्य करता है, जो अभियानों के दौरान सुरक्षित और सशक्त संचार सुनिश्चित करता है।

प्रक्षेपण यान- LVM3-M5 ('बाहुबली')

- यह भारत का सबसे **भारी परिचालन रॉकेट** है, जिसे पहले **GSLV Mk-III** के नाम से जाना जाता था।
- **पेलोड क्षमता:**
  - **जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO)** तक 4,000 किलोग्राम।
  - **लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)** तक 8,000 किलोग्राम।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **संरचना (Configuration):** यह तीन चरणों वाला प्रक्षेपण यान है, जिसमें शामिल हैं-
  - लिफ्टऑफ थ्रस्ट के लिये S200 सॉलिड स्ट्रैप-ऑन बूस्टर।
  - **ट्विन विकास इंजन** द्वारा संचालित L110 लिक्विड कोर स्टेज।
  - C25 क्रायोजेनिक अपर स्टेज - पूरी तरह से भारत में विकसित।
- यह **गगनयान ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन** के लिये **बेसलाइन लॉन्चर** के तौर पर कार्य करता है, जहाँ इसके मॉडिफाइड वर्जन को **ह्यूमन-रेटेड LVM3 (HRLV)** कहा जाता है।
- **उपनाम 'बाहुबली'** इसकी विशाल उठाने की शक्ति और मिशनों में निरंतर विश्वसनीयता को दर्शाता है।

विकास पृष्ठभूमि

- M5 मिशन LVM3 सीरीज़ में **पाँचवीं सफल उड़ान** है, जो इस वाहन के साथ ISRO की शानदार सफलता की कड़ी को जारी रखता है।
- यह नौसेना के लिये **GSAT-7 (रुक्मिणी)** और वायु सेना के लिये **GSAT-7A** जैसे पहले के उपग्रहों के बाद आया है, जो भारत की रक्षा संचार क्षमताओं का विस्तार करता है।

त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025'

चर्चा में क्यों?

त्रि-सेवा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025' का आरंभ **3 नवंबर, 2025** से होने जा रहा है। यह अभ्यास **भारतीय नौसेना** के नेतृत्व में आयोजित होगा, जिसमें **थल सेना, वायु सेना और समुद्री घटक** शामिल होंगे। अभ्यास का क्षेत्र **गुजरात और राजस्थान के सिर क्रीक एवं रेगिस्तानी क्षेत्रों** से लेकर **उत्तर अरब सागर** तक विस्तारित रहेगा।

मुख्य विवरण

- यह व्यापक पैमाने पर आयोजित अभ्यास **भारतीय नौसेना** के नेतृत्व में और **पश्चिमी नौसेना कमान** के समन्वय में किया जा रहा है।
- इसमें **थल सेना की दक्षिणी कमान, नौसेना की पश्चिमी कमान** तथा **भारतीय वायु सेना की दक्षिण-पश्चिमी कमान** सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।
- **अभ्यास का उद्देश्य:**
  - संयुक्त संचालन प्रक्रियाओं का सत्यापन करना।
  - तीनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालन क्षमता (Interoperability) को सुदृढ़ बनाना।
  - बहु-क्षेत्रीय अभियानों (Multi-Domain Operations) के लिये नेटवर्क आधारित कमांड एकीकरण को मज़बूत करना।

सिर क्रीक

- **स्थान:** यह एक दलदली मुहाना क्षेत्र है जो **कच्छ (गुजरात, भारत)** और **सिंध (पाकिस्तान)** के बीच स्थित है, जहाँ **कच्छ का रण** अरब सागर से मिलता है।
- **लंबाई:** लगभग **96 किलोमीटर** लंबी ज्वारीय क्रीक।
- **विवाद:** यह **भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद** का हिस्सा है, भारत इसे **मध्य जलधारा (Mid-Channel)** तक अपनी सीमा मानता है, जबकि पाकिस्तान **पूर्वी तट (Eastern Bank)** को सीमा रेखा मानता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **रणनीतिक महत्त्व:**
  - यह क्षेत्र एक **संवेदनशील तटीय सुरक्षा क्षेत्र** तथा **रणनीतिक समुद्री सीमा** के रूप में कार्य करता है।
  - **पश्चिमी नौसेना कमान** के अंतर्गत **नौसैनिक और तटीय निगरानी** के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।
  - **समुद्री संसाधनों से समृद्ध:** यह क्षेत्र मछली पालन और अन्य समुद्री संसाधनों से भरपूर है, जिससे संभावित **विशेष आर्थिक क्षेत्र** (Exclusive Economic Zone- EEZ) संबंधी दावे उत्पन्न हो सकते हैं।
  - **पर्यावरणीय दृष्टि से महत्त्वपूर्ण:** सिर क्रीक **सिंधु डेल्टा पारिस्थितिकी तंत्र** (Indus Delta Ecosystem) का हिस्सा है, जो जैवविविधता संरक्षण और तटीय पर्यावरणीय संतुलन के लिये अत्यंत आवश्यक है।

पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDEI) 2025

चर्चा में क्यों?

2 नवंबर, 2025 को **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन** (UNESCO) के तत्त्वाधान में **पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस** (International Day to End Impunity for Crimes Against Journalists- IDEI) मनाया जा रहा है। इस वर्ष का विशेष फोकस विषय है **"महिला पत्रकारों के विरुद्ध AI-सक्षम लैंगिक आधारित हिंसा"** (AI-facilitated Gender-Based Violence against Women Journalists)।

- यह अभियान इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** (Artificial Intelligence) किस प्रकार **मीडिया में कार्यरत महिलाओं के विरुद्ध नए प्रकार के उत्पीड़न और उनकी आवाज़ दबाने के तरीकों** को सक्षम बना रही है।

मुख्य बिंदु

- यह दिवस **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2013** में स्थापित किया गया था, जब **फ्राँसीसी पत्रकार गिस्लेन ड्यूपॉंट** (Ghislaine Dupont) और **क्लॉड वर्लोन** (Claude Verlon) की **माली** में हत्या की गई थी।
- **यूनेस्को का अभियान:** संगठन ने "CTRL + ALT + MUTE" नामक जन-जागरूकता पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य महिला पत्रकारों के समक्ष मौजूद खतरों को उजागर करना और दंडमुक्ति तथा डिजिटल हिंसा के विरुद्ध वैश्विक कार्रवाई को प्रोत्साहित करना है।
- **2025 की थीम:** इस वर्ष का फोकस **"AI-सक्षम लैंगिक आधारित हिंसा"** पर है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि **डीपफेक्स, डॉक्सिंग और संगठित ऑनलाइन ट्रोलिंग** जैसे दुरुपयोग के रूप **महिला पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिये गंभीर खतरा** बनते जा रहे हैं।
- **वैश्विक आँकड़े:** वर्ष **2006 से 2024** के बीच **विश्वभर में 1,700 से अधिक पत्रकारों की हत्या** हुई है, जिनमें से लगभग **10 में से 9 मामलों में न्याय नहीं मिल पाया** है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)

- **स्थापना:** 1945 (संविधान 1946 में प्रभावी हुआ)
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्राँस
- **मंडेट (Mandate):** शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना, ताकि **शांति, सतत् विकास तथा मानवाधिकारों** को विश्वभर में सशक्त किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मुख्य कार्य:**
  - अपने कार्यक्षेत्रों में वैश्विक मानक और मानदंड (Norms and Standards) निर्धारित करना।
  - अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिये उपकरण और कार्यक्रम विकसित करना।
  - ज्ञान का उत्पादन करना और सदस्य देशों के लिये साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण (Evidence-Based Policymaking) का समर्थन करना।
  - विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Sites), जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserves) और रचनात्मक नगर (Creative Cities) जैसी वैश्विक नेटवर्क व्यवस्थाओं का संरक्षण एवं प्रबंधन करना।

भारतीय महिला टीम ने क्रिकेट विश्व कप 2025 जीता

चर्चा में क्यों?

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने **नवी मुंबई में आयोजित** फाइनल मैच में **दक्षिण अफ्रीका** को हराकर **अपना पहला ICC महिला वनडे विश्व कप** जीतकर इतिहास रच दिया।

मुख्य बिंदु

- **भारत की यात्रा:**
  - भारत इससे पहले वर्ष **2005** और **2017** में फाइनल में पहुँचा था, जहाँ उसे क्रमशः **ऑस्ट्रेलिया** और **इंग्लैंड** से हार का सामना करना पड़ा।
  - इस जीत के साथ भारत **ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड** के बाद **महिला विश्व कप** (**हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में**) **जीतने वाला चौथी देश** बन गया।
- **टूर्नामेंट के बारे में:**
  - वर्ष 2025 का टूर्नामेंट महिला क्रिकेट विश्व कप का **13वाँ संस्करण** था, जो 4 साल के अंतराल के बाद आयोजित किया गया।
  - भारत और श्रीलंका ने **कुल 8 टीमों की मेज़बानी** की। मेज़बान देश: **भारत** (और श्रीलंका)।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - **कोच (भारत):** अमोल मजूमदार
  - **कप्तान (दक्षिण अफ्रीका):** लौरा वोल्वाड्र्ट
  - **प्लेयर ऑफ द मैच:** शैफाली वर्मा
  - **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट:** दीप्ति शर्मा
- **पूर्व 4 संस्करणों के विजेता:**
  - 2013: ऑस्ट्रेलिया
  - 2017: इंग्लैंड
  - 2022: ऑस्ट्रेलिया
  - 2025: भारत

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पुरस्कार:**
    - अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने विजेता टीम के लिये **4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 39 करोड़ रुपए)** की पुरस्कार राशि घोषित की।
    - भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) ने विजय के उपरांत भारतीय महिला टीम के लिये **51 करोड़ रुपए** के नगद पुरस्कार की घोषणा की।

क्यूएस रैंकिंग एशिया 2026 में 137 भारतीय संस्थान

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **QS रैंकिंग** में भारतीय विश्वविद्यालयों की **रिकॉर्ड वृद्धि** को रेखांकित करते हुए **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान** और **नवाचार** के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

- **क्वाक्वेरेली साइमंड्स (QS)** एक **लंदन स्थित वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक** संस्था है, जो व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग** जारी करने के लिये जानी जाती है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
    - **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एशिया 2026** के अनुसार, यद्यपि कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय शीर्ष 50 में शामिल नहीं है, परंतु भारत ने **137 विश्वविद्यालयों की वृद्धि** के साथ वर्ष 2016 की तुलना में **1,125% की वृद्धि** दर्ज की है।
    - **QS एशिया रैंकिंग** में अब **भारत के 294 विश्वविद्यालय** शामिल हैं, जिससे वह **चीन के बाद दूसरे स्थान** पर है।
        - चीन ने इस वर्ष **261 विश्वविद्यालयों** को जोड़ा है, जिससे उसकी **कुल संख्या 395** हो गई है।
    - भारतीय संस्थान **शैक्षणिक प्रतिष्ठा, अनुसंधान उत्पादकता** और **नियोजक प्रतिष्ठा** के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, हालाँकि **अंतर्राष्ट्रीयकरण तथा अनुसंधान दृश्यता** के मामले में अभी भी पिछड़े हुए हैं।
- **एशिया में शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता:**
    - **हॉन्गकॉन्ग विश्वविद्यालय** : प्रथम स्थान
    - **पेकिंग विश्वविद्यालय** : दूसरा स्थान
    - **नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (NUS)** और **नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (NTU)** : तीसरा स्थान (संयुक्त)
- **शीर्ष भारतीय संस्थान :**
    - **IIT दिल्ली:** 59वाँ स्थान (2025 में 44वें से नीचे)
    - **IIT बॉम्बे:** 71वाँ स्थान (2025 में 48वें से नीचे)
    - **IISc बंगलूरू:** 64वाँ स्थान (2025 में 62वें से नीचे)
    - **IIT मद्रास:** 70वाँ स्थान (2025 में 56वें से नीचे)
    - **IIT कानपुर:** 77वाँ स्थान (2025 में 67वें से नीचे)
    - **दिल्ली विश्वविद्यालय:** 95वाँ स्थान (2025 में 81वें से नीचे)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **निजी संस्थानों की प्रगति:**
    - **चंडीगढ़ विश्वविद्यालय** ने सुधार करते हुए **109वाँ स्थान** प्राप्त किया (2025 में 120वें से ऊपर)।
    - **BITS पिलानी, शूलिनी विश्वविद्यालय** तथा **ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय** ने भी अपने **अब तक के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग स्तर** हासिल किये हैं।

अमूल विश्व की शीर्ष सहकारी समितियों में प्रथम

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने **ICA वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर 2025 रिपोर्ट** के अनुसार **अमूल** तथा इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कोऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO) को वैश्विक स्तर पर शीर्ष दस सहकारी संस्थाओं में क्रमशः **पहला और दूसरा स्थान** प्राप्त करने पर बधाई दी है।

- इस उपलब्धि को **दोहा, कतर** में आयोजित **ICA CM50 सम्मेलन** के दौरान औपचारिक रूप से मान्यता दी गई।

मुख्य बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA)** ने **यूरोपीय सहकारी एवं सामाजिक उद्यम अनुसंधान संस्थान** (Euricse) के सहयोग से, **संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष** के उपलक्ष्य में **विश्व सहकारी मॉनिटर (WCM) 2025** का संस्करण जारी किया।
- **WCM** का यह **13वाँ संस्करण** वैश्विक सहकारी क्षेत्र का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करता है, जो विश्व में **सतत्, समावेशी और लचीली अर्थव्यवस्थाओं** में सहकारी समितियों के योगदान को दर्शाता है।
- **वर्ष 2025 की रिपोर्ट** में **शीर्ष 300 सहकारी समितियाँ** शामिल हैं, जिनका वर्ष **2023 में संयुक्त कारोबार 2.79 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** रहा तथा कृषि, वित्त, स्वास्थ्य, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उनके **आर्थिक प्रभाव** को उजागर किया गया है।
- **प्रति व्यक्ति GDP के अनुपात में कारोबार** के आधार पर भारत की **अमूल** और IFFCO ने वैश्विक सूची में **शीर्ष स्थान** प्राप्त किया है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सहकारी संस्थाओं की मज़बूती को दर्शाता है।
    - यह रैंकिंग **आर्थिक सशक्तीकरण और विकास को गति देने** में **भारत के सहकारी क्षेत्र की क्षमता तथा नेतृत्व** को भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है।

अमूल (गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड)

- **अमूल** की स्थापना वर्ष 1946 में **कैरा ज़िला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड**, आनंद (गुजरात) के रूप में की गई थी। इसे **त्रिभुवनदास पटेल** ने **मोरारजी देसाई** और सरदार वल्लभ भाई पटेल के सहयोग से प्रारंभ किया था।
- वर्ष 1950 में इस सहकारी संस्था ने **"अमूल" ब्रांड** की शुरुआत की, जो आज भारत की **सबसे बड़ी खाद्य उत्पाद विपणन संस्था** बन चुकी है।
    - वित्त वर्ष 2023-24 में अमूल का वार्षिक कारोबार **7.3 अरब अमेरिकी डॉलर** रहा।

IFFCO (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कोऑपरेटिव लिमिटेड)

- इसकी स्थापना वर्ष 1967 में हुई थी और इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- यह भारतीय किसानों के लिये उर्वरकों का उत्पादन और विपणन करती है।
- विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्थाओं में से एक IFFCO के पास **35,000 सदस्य सहकारी समितियाँ** हैं, जो पूरे भारत में **5 करोड़ से अधिक किसानों** तक अपनी सेवाएँ पहुँचाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गुरु नानक देव जयंती

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ प्रकट कीं और सभी नागरिकों से बेहतर समाज के निर्माण हेतु गुरु नानक देव की **सत्य, न्याय, करुणा तथा मानव समानता की शिक्षाओं को अपनाने का आग्रह किया।**

मुख्य बिंदु

- **गुरु नानक** (1469-1539) का जन्म 1469 **में पाकिस्तान के लाहौर के पास तलवंडी गाँव** में हुआ था। वे **दस सिख गुरुओं में प्रथम** थे।
- **प्रारंभिक जीवन:** गुरु नानक ने **लोदी प्रशासन** में **सुल्तानपुर** में क्लर्क के रूप में कार्य किया।
- लगभग **30 वर्ष की आयु** में, गुरु नानक ने **काली बीन नदी** के पास **आध्यात्मिक अनुभूति** और **ईश्वर के साथ प्रत्यक्ष साक्षात्कार** का अनुभव किया। इसके पश्चात उन्होंने उद्घोष किया,
- **"न तो हिंदू है और न ही मुस्लिम।"**
- **दर्शन:** वे **भक्ति आंदोलन के निर्गुण दर्शन** के समर्थक थे और कबीर दास से प्रभावित थे। उन्होंने **नाम जपना** जैसी आध्यात्मिक प्रथाओं पर ज़ोर दिया अर्थात् ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करने के लिये **ईश्वर के नाम का जाप** करना।
- **शिक्षाएँ और यात्राएँ:** गुरु नानक ने अपने मुस्लिम साथी **मरदाना** के साथ भारत और मध्य पूर्व में **व्यापक यात्रा** कर अपना संदेश फैलाया। उनके द्वारा रचित भजनों को वर्ष **1604 में पाँचवें सिख गुरु अर्जुनदेव**
- ने **आदि ग्रंथ** में शामिल किया।
- **सामुदायिक स्थापना और विरासत:** उन्होंने **करतारपुर** में बसकर पहला सिख समुदाय स्थापित किया, जहाँ शिष्य एक साथ रहते और पूजा करते थे। उन्होंने समुदाय का नेतृत्व करने के लिये **गुरु अंगद (भाई लहना)** को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया।

सिख गुरु और उनके प्रमुख योगदान

गुरु	अवधि	प्रमुख योगदान
गुरु नानक देव	1469-1539	सिख धर्म के संस्थापक; **गुरु का लंगर शुरू किया; बाबर** के समकालीन; **550वीं** जयंती करतारपुर कॉरिडोर **के साथ मनाई गई।**
गुरु अंगद	1504-1552	**गुरु मुखी लिपि का** आविष्कार; **गुरु का लंगर को लोकप्रिय बनाया।**
गुरु अमरदास	1479-1574	आनंद कारज विवाह की शुरुआत की; **सती प्रथा और पर्दा प्रथा का उन्मूलन; अकबर के समकालीन।**
गुरु रामदास	1534-1581	**वर्ष 1577 में अमृतसर की** स्थापना की, स्वर्ण मंदिर का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुनदेव	1563-1606	वर्ष 1604 में आदि ग्रंथ की रचना की गई; स्वर्ण मंदिर का निर्माण **पूरा किया गया; जहाँगीर द्वारा इसका निर्माण कराया गया।**
गुरु हरगोबिंद	1594-1644	सिखों को एक **सैन्य समुदाय में परिवर्तित किया; अकाल तख्त की स्थापना की; जहाँगीर और शाहजहाँ के** खिलाफ युद्ध छेड़े।
गुरु हरराय	1630-1661	औरंगज़ेब के साथ शांति को बढ़ावा दिया; मिशनरी कार्य पर ध्यान केंद्रित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गुरु हरकृष्ण	1656-1664	सबसे युवा गुरु; इस्लाम विरोधी ईशनिंदा के लिये औरंगज़ेब द्वारा बुलाया गया।
गुरु तेग बहादुर	1621-1675	**आनंदपुर साहिब** की स्थापना की, वर्ष **1675 में** मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश पर सिर कटवा दिया गया।
गुरु गोबिंद सिंह	1666-1708	**वर्ष 1699** में खालसा पंथ की स्थापना की; **पाहुल** (बपतिस्मा समारोह) की शुरुआत की; **गुरु ग्रंथ साहिब** को गुरु पद सौंपने वाले **अंतिम गुरु।**

मालदीव ने विश्व में पहली बार पीढ़ीगत धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया

चर्चा में क्यों?

मालदीव **आधिकारिक रूप से दुनिया का पहला देश** बन गया है जिसने **धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध** लागू किया है, जिसके तहत **1 जनवरी, 2007 या उसके बाद जन्मे किसी भी व्यक्ति** को तंबाकू उत्पादों को **खरीदने, रखने या उपयोग** करने की अनुमति नहीं है।

मुख्य बिंदु

- **पीढ़ीगत प्रतिबंध:**
  - यह प्रतिबंध सिगरेट, सिगार और धूम्ररहित तंबाकू सहित **सभी प्रकार के तंबाकू** पर लागू होता है।
  - उल्लंघन को रोकने के लिये खुदरा विक्रेताओं को बिक्री से पहले **आयु की पुष्टि करनी होगी।**
  - इसका उद्देश्य **एक पीढ़ी के भीतर तंबाकू के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है** ।
  - मालदीव में पहले से ही **वेपिंग और ई-सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध** है, चाहे उम्र कोई भी हो।
    - **न्यूज़ीलैंड** ऐसा कानून लागू करने वाला पहला देश था (1 जनवरी, 2009 के बाद जन्म लेने वालों के लिये), लेकिन उसने इसे प्रभावी होने से पहले ही वर्ष 2023 में **निरस्त कर दिया।**
- **स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य:**
  - WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार, तंबाकू से हर साल लगभग **70 लाख लोगों की मौत होती है।**
  - यह कदम युवाओं में तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति को रोकने तथा भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिये WHO के तंबाकू नियंत्रण फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC) के अनुरूप है।

तंबाकू नियंत्रण पर WHO फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC)

- **परिचय:**
  - यह **विश्व की पहली वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संधि** है। 180 से अधिक देशों (भारत सहित) ने इस संधि को अनुमोदित किया है।
  - इसे वर्ष 2003 में अपनाया गया और 2005 में लागू किया गया।
- **उद्देश्य:**
  - वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को तंबाकू सेवन तथा **तंबाकू के धुएँ के संपर्क** से होने वाले **विनाशकारी स्वास्थ्य, सामाजिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक परिणामों** से सुरक्षित रखना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रमुख प्रावधान:**
  - **तंबाकू विज्ञापन, प्रचार और प्रायोजन** पर प्रतिबंध।
  - पैकेजिंग के कम-से-कम 30-50% भाग पर **स्वास्थ्य चेतावनियाँ अनिवार्य।**
  - कराधान और सार्वजनिक धूम्रपान प्रतिबंध सहित **तंबाकू की मांग तथा आपूर्ति को कम करने** के उपाय।
  - **अवैध व्यापार का विनियमन** और नीति-निर्माण में **उद्योग हस्तक्षेप से सुरक्षा।**

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला

चर्चा में क्यों ?

डायना पुंडोले ने **अंतर्राष्ट्रीय सर्किट पर फेरारी 296 चैलेंज कार** चलाने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया।

मुख्य बिंदु

- डायना पुंडोले **फेरारी 296 चैलेंज** में प्रतिस्पर्द्धा कर रही हैं, जो एक **प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय वन-मेक रेसिंग शृंखला** है, जिसमें ब्रांड की नवीनतम **उच्च प्रदर्शन वाली रेस कार** शामिल है।
- **दुबई ऑटोड्रोम** और **यास मरीना, अबू धाबी** सहित मध्य-पूर्वी सर्किटों में उनकी भागीदारी उन्हें **वैश्विक स्तर पर आधिकारिक तौर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला** बनाती है।
- **फेरारी 296 चैलेंज के बारे में:**
  - फेरारी 296 चैलेंज, **फेरारी की चैलेंज रेसिंग शृंखला का नवीनतम मॉडल है**, जो 488 चैलेंज इवो का स्थान लेगा।
  - यह शृंखला फेरारी के वैश्विक **वन-मेक चैंपियनशिप प्रारूप के तहत चलती है**, जिसमें विश्व के पेशेवर और शौकिया (जेंटलमैन) रेसर शामिल होते हैं।

भारतीय नौसेना द्वारा 'इक्षक' नौसेना में शामिल

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना, कोच्चि स्थित नौसेना बेस में, सर्वे वेसल लार्ज (SVL) श्रेणी के तीसरे पोत **INS इक्षक** का जलावतरण करेगी।

मुख्य बिंदु

- **इक्षक पोत के बारे में:**
  - 'इक्षक' नाम का अर्थ है **"मार्गदर्शक"**, जो समुद्रों के सटीक मानचित्रण और नौवहन का कार्य करने वाले इस जहाज़ की भूमिका को पूर्णत: प्रतिबिंबित करता है।
  - यह **दक्षिणी नौसैनिक कमान (कोच्चि)** में तैनात किया जाने वाला **पहला SVL-श्रेणी का पोत** है।
  - **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) लिमिटेड**, कोलकाता द्वारा निर्मित इस पोत में 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भूमिका और कार्य:**
  - यह जहाज़ बंदरगाहों, **हार्बरों और नौवहन चैनलों** के **तटीय एवं गहरे जल क्षेत्रों के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण** के लिये डिज़ाइन किया गया है।
  - इस पोत से प्राप्त सर्वेक्षण आँकड़े **सुरक्षित समुद्री नौवहन, बंदरगाह प्रबंधन** और **सामुद्रिक संसाधनों के आकलन** में सहायक होंगे।
  - यह भारत की **सटीक नौवहन चार्ट तैयार करने की क्षमता** को सुदृढ़ करेगा, जिससे **नागरिक और सैन्य दोनों समुद्री अभियानों** को समर्थन प्राप्त होगा।

सर्वे वेसल लार्ज (SVL) श्रेणी

- **सर्वे वेसल लार्ज परियोजना** भारत के **हाइड्रोग्राफिक सर्वे पोत के आधुनिकीकरण** तथा पुराने **संधायक-श्रेणी के पोतों** के प्रतिस्थापन के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी।
- इस श्रेणी में कुल **चार पोत** सम्मिलित हैं- **INS संधायक, INS निर्देशक, INS इक्षक** तथा **INS संशोधक** (निर्माणाधीन)।
- ये सभी पोत **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता** द्वारा **आत्मनिर्भर भारत पहल** के अंतर्गत निर्मित किये जा रहे हैं।
- इन्हें **हाइड्रोग्राफिक, ओशनोग्राफिक एवं कार्टोग्राफिक सर्वेक्षण** करने हेतु डिज़ाइन किया गया है, जिससे **नौवहन चार्ट तैयार करने** तथा **नागरिक और रक्षा दोनों समुद्री अभियानों** में सहयोग प्रदान किया जा सके।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के **150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में** एक वर्ष तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** वंदे मातरम् को **बंकिमचंद्र चटर्जी** द्वारा **7 नवंबर, 1875** को **अक्षय नवमी** के दिन रचित किया गया था।
  - यह गीत पहली बार **साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन** में उनके प्रतिष्ठित उपन्यास आनंदमठ के भाग के रूप में प्रकाशित हुआ।
- **अंगीकरण:** इसे भारत का राष्ट्रीय गीत घोषित किया गया; **इसके प्रथम दो पद्यांशों को** 24 जनवरी,1950 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया।
- **भाषा:** मूलत: यह **संस्कृतनिष्ठ बंगाली** में रचित है
- **संगीत रचना:** इसे रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा संगीतबद्ध किया गया और यह पहली बार वर्ष **1896 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन** में प्रस्तुत किया गया।
- यह गीत **भारत माता** को **शक्ति, समृद्धि और दिव्यता** का प्रतीक बताता है तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विशेष अभियान 5.0

चर्चा में क्यों ?

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने **विशेष अभियान 5.0** का सफलतापूर्वक समापन किया।

मुख्य बिंदु

- **विशेष अभियान 5.0:**
  - यह भारत सरकार की **राष्ट्रव्यापी पहल** है, जिसका उद्देश्य **स्वच्छता, कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन**, तथा PMO **और सांसद संदर्भों एवं सार्वजनिक शिकायतों सहित लंबित मामलों का समय पर समाधान** सुनिश्चित करना है।
  - इस अभियान में **DHR और ICMR** के साथ-साथ **भारत के 27 संस्थानों** ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:**
  - अभियान के दौरान **जन शिकायतों, PG अपीलों और PMO संदर्भों** के समाधान में **100% लक्ष्य प्राप्ति**।
- सभी संबद्ध कार्यालयों और क्षेत्रीय संस्थानों में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत ने 7 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया, जिसका उद्देश्य **कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और जागरूकता** को बढ़ावा देना था।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - यह दिन **मैरी क्यूरी (7 नवंबर, 1867) की जयंती** के अवसर पर पड़ता है, जिनके रेडियोधर्मिता **पर अभूतपूर्व शोध** ने **कैंसर** के निदान और उपचार में क्रांति ला दी थी।
  - कैंसर की रोकथाम तथा स्क्रीनिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये **केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** द्वारा **वर्ष 2014 में** घोषित किया गया था।
- **उद्देश्य और महत्त्व:**
  - इसका उद्देश्य नागरिकों को **जीवन शैली में बदलाव, नियमित स्वास्थ्य जाँच** और **समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप के महत्त्व के बारे में शिक्षित करना है।**
  - भारत में **कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं**, हर वर्ष **14 लाख से अधिक नए मामले** सामने आते हैं, जिनमें से कई का पता **उन्नत अवस्था में** चलता है।
- **थीम 2025:**
  - यद्यपि भारत का अभियान घरेलू दृष्टिकोण पर केंद्रित है, फिर भी यह **वैश्विक विश्व कैंसर दिवस (2025-27) की थीम "यूनाइटेड बाय यूनिक" के अनुरूप है**, जो कैंसर उपचार में व्यक्तिगत देखभाल और समावेशिता पर प्रकाश डालती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मारिया स्कोलोडोव्स्का-क्यूरी (1867-1934)

- **राष्ट्रीयता:** पोलैंड में जन्म, बाद में फ्राँसीसी नागरिक।
- **प्रमुख खोजें:**
  - रेडियोधर्मी तत्त्व **रेडियम (Ra)** और **पोलोनियम (Po)** की खोज।
  - कैंसर उपचार (रेडियोथेरेपी) में रेडियोधर्मिता की अवधारणा और चिकित्सा उपयोग में अग्रणी।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला।
  - दो अलग-अलग विज्ञानों **(भौतिकी, 1903 और रसायन विज्ञान, 1911)** में दो नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली एकमात्र महिला।
- **वैज्ञानिक प्रभाव:**
  - उनके शोध ने **कैंसर निदान और उपचार** में प्रयुक्त **परमाणु चिकित्सा** तथा **विकिरण चिकित्सा** की नींव रखी।

गूगल का प्रोजेक्ट सनकैचर

चर्चा में क्यों?

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी गूगल ने **प्रोजेक्ट सनकैचर** की घोषणा की है, जो अंतरिक्ष में AI-संचालित डेटा केंद्र विकसित करने के लिये एक महत्त्वाकांक्षी अनुसंधान पहल है।

मुख्य बिंदु

- **प्रोजेक्ट सनकैचर के बारे में:**
  - इस परियोजना में **सौर ऊर्जा से संचालित उपग्रहों द्वारा** अंतरिक्ष में **AI डेटा केंद्रों** की मेज़बानी करने की परिकल्पना की गई है, ताकि स्थलीय सुविधाओं को शीतल करने के लिये उपयोग की जाने वाली पृथ्वी की ऊर्जा और पानी की खपत को कम किया जा सके।
  - ये **परिक्रमा करने वाले डेटा केंद्र** प्रति सेकंड **दसियों टेराबिट्स** की गति से डेटा स्थानांतरित करने के लिये **मुक्त-स्थान ऑप्टिकल लिंक** का उपयोग करेंगे, जिससे **स्टारलिंक** जैसे उपग्रह इंटरनेट तारामंडल के समान **वितरित नेटवर्क** का निर्माण होगा।
  - गूगल अपने अंतरिक्ष-आधारित TPU (टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट) हार्डवेयर का परीक्षण करने के लिये वर्ष **2027 की शुरुआत तक दो प्रोटोटाइप उपग्रहों को लॉन्च करने की योजना बना रहा है।**
- **अंतरिक्ष-आधारित AI केंद्रों की आवश्यकता:**
  - AI डेटा सेंटर्स को शीतल **करने के लिये भारी मात्रा में विद्युत् और पानी** की आवश्यकता होती है, जो वैश्विक स्तर पर AI के बढ़ते उपयोग के कारण **पर्यावरणीय चिंता** का विषय बन रहा है।
  - **अंतरिक्ष** में सौर पैनल पृथ्वी की तुलना में **8 गुना अधिक कुशल हैं तथा निरंतर और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करते हैं।**
- **कार्य प्रणाली:**
  - ये उपग्रह एक समेकित उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग नेटवर्क के रूप में कार्य करने के लिये **सौर ऊर्जा** और **ऑप्टिकल डेटा ट्रांसमिशन पर निर्भर होंगे।**
  - TPU (Trilium v6e) का **विकिरण प्रतिरोध** और **चरम स्थितियों में प्रदर्शन** के लिये परीक्षण किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने **"ऑफ टारगेट"** शीर्षक से अपनी उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025 जारी की, जिसमें चेतावनी दी गई है कि पेरिस समझौते के तहत वर्तमान **जलवायु प्रतिज्ञाएँ 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य** को प्राप्त करने के लिये **अपर्याप्त** हैं।

मुख्य बिंदु

- **अनुमानित तापमान वृद्धि स्तर:**
  - **वर्तमान नीतियों के तहत, अनुमान है कि वर्ष 2100 तक** विश्व का तापमान लगभग 2.8°C बढ़ जाएगा।
  - यदि सभी **राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs)** को पूरी तरह क्रियान्वित किया जाए, तो सदी के अंत तक अनुमानित तापमान वृद्धि को लगभग **2.3-2.5°C** तक सीमित किया जा सकता है।
  - यह पिछले वर्ष (2024) के **2.6-2.8°C** के अनुमान से केवल मामूली सुधार है, जो **नई प्रतिबद्धताओं की सीमित प्रगति** को दर्शाता है।
- **प्रभावित करने वाले कारक:**
  - पद्धतिगत समायोजन के कारण अनुमानों में **0.1°C** का सुधार हुआ।
  - वहीं, **संयुक्त राज्य अमेरिका के पेरिस समझौते से बाहर होने** से उतना ही नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- **कटौती लक्ष्य:**
  - **2°C** तक ग्लोबल वार्मिंग सीमित करने के लिये, वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को **वर्ष 2035 तक वर्ष 2019 के स्तर से 35%** घटाना होगा।
  - **1.5°C के अधिक महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य** को प्राप्त करने के लिये, **उत्सर्जन में वर्ष 2019 के स्तर से 55% की कमी** आवश्यक है।
  - हालाँकि UNEP ने चेतावनी दी है कि अगले दशक में **1.5°C सीमा** का अस्थायी रूप से उल्लंघन होने की **संभावना** है, जो उत्सर्जन में और अधिक **गहन एवं तीव्र कटौती** की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- **सकारात्मक संकेतक:**
  - अनुमानित तापमान वृद्धि **3-3.5°C (2015)** से घटकर लगभग **2.5°C (2025)** हो गई है, जो पेरिस समझौते के बाद से हुई प्रगति को दर्शाती है।
  - **सौर और पवन प्रौद्योगिकियों** का तीव्र विस्तार हो रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर उनकी तैनाती की लागत में कमी आई है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- **स्थापना:** वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन (स्टॉकहोम) के बाद।
- **मुख्यालय:** नैरोबी, केन्या।
- **कार्य:** यह एक **वैश्विक पर्यावरणीय प्राधिकरण** के रूप में कार्य करता है, जो **अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रयासों का समन्वय** करता है तथा **राष्ट्रों को सतत् नीतियाँ अपनाने में सहयोग** प्रदान करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रमुख रिपोर्ट:**
  - उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट
  - अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट
  - वैश्विक पर्यावरण आउटलुक (GEO)

खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों?

खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने "**विभिन्न भूमि स्वामित्व स्तरों पर भूमि क्षरण का समाधान**" नामक शीर्षक से खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025 जारी की है।

मुख्य बिंदु

- **रिपोर्ट के बारे में:**
  - **वैश्विक कृषि भूमि में कमी:** लगभग 20% **वैश्विक कृषि भूमि** में मृदा अपरदन, **पोषक तत्त्वों की कमी और कार्बन की हानि** के कारण **उत्पादकता में गिरावट** देखी जा रही है।
  - **क्षेत्रीय प्रभाव: एशिया और अफ्रीका** सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहाँ **दक्षिण एशिया** तथा **उप-सहारा अफ्रीका** में **उत्पादकता में गंभीर अंतर (संभावित स्तर से 70% तक कम)** देखा गया है।
  - **भारत की स्थिति:** भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक **उपज अंतराल (yield gap)** देखा गया है, जिसका मुख्य कारण भूमि का **अत्यधिक उपयोग** और **मृदा की उर्वरता में गिरावट** है।
  - **मुख्य प्रेरक करक:** वनों की कटाई (वन हानि का 90%), एकल फसल उत्पादन, अत्यधिक उर्वरक उपयोग, अनियमित सिंचाई और अनुचित मृदा प्रबंधन।
- **भूमि क्षरण:**
  - **भूमि क्षरण को आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करने की भूमि की क्षमता में दीर्घकालिक गिरावट** के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं और मानवीय गतिविधियों जैसे- **वनों की कटाई**, अतिचारण तथा असंगत सिंचाई के कारण होती है।
- **भूमि क्षरण तटस्थता (LDN):**
  - यह एक **वैश्विक लक्ष्य** है, जिसका उद्देश्य **भूमि संसाधनों की मात्रा और गुणवत्ता** को स्थिर रखना या समय के साथ इसमें सुधार सुनिश्चित करना है।
  - इसे वर्ष 2015 में **सतत् विकास लक्ष्य (SDG) 15.3** के भाग के रूप में, मरुस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD) के तहत अपनाया गया।
- **भूमि क्षरण तटस्थता (LDN) पदानुक्रम:**
  - **भूमि क्षरण से बचें > कम करें > पलटें** (Avoid > Reduce > Reverse land degradation) यह पारिस्थितिकी संतुलन को बहाल करने के लिये **FAO का मुख्य सिद्धांत** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

खाद्य और कृषि संगठन (FAO)

- **परिचय:**
  - **इसकी स्थापना वर्ष** 1945 में हुई थी। इसका **मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।**
  - यह **संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी** के रूप में कार्य करता है और इसके 194 सदस्य देश हैं, जिनमें यूरोपीय संघ भी शामिल है।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य **भुखमरी को समाप्त करना, पोषण में सुधार करना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और सतत् कृषि को बढ़ावा देना** है।
- **प्रमुख रिपोर्ट:**
  - खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA)
  - विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)
  - विश्व मत्स्य पालन और जलीय कृषि की स्थिति (SOFIA)
  - विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)
- **भारत और FAO:**
  - भारत FAO का एक संस्थापक सदस्य है; यह भारत के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और **सतत् भूमि प्रबंधन** पहलों का समर्थन करता है।

मालाबार अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय नौसेना का युद्धपोत INS सह्याद्री उत्तरी प्रशांत महासागर के गुआम में आयोजित **बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास** 'मालाबार 2025' में भाग लेने पहुँचा।

मुख्य बिंदु

- **मालाबार अभ्यास:**
  - क्वाड (QUAD) रूपरेखा के तहत आयोजित यह एक **बहुपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास** है, जिसमें **भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया** शामिल हैं।
  - इसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र **में संयुक्त समुद्री समन्वय, पारस्परिक संचालन क्षमता (interoperability)** और **संचालन तत्परता (operational readiness)** को सुदृढ़ करना है।
  - **INS सह्याद्री** की भागीदारी **आत्मनिर्भर भारत अभियान** और **नौसैनिक स्वदेशीकरण (naval self-reliance)** के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **आयोजन स्थल- गुआम:**
  - गुआम का आयोजन स्थल के रूप में चयन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी और क्वाड के सामरिक लक्ष्यों के अनुरूप है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित एक **असंबद्ध अमेरिकी क्षेत्र** (Unincorporated U.S. Territory) है, जो **फिलीपींस और हवाई** के बीच स्थित है।
- यहाँ **एंडरसन वायुसेना अड्डा** और **नेवल बेस गुआम** जैसे प्रमुख अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित हैं, जो इसे **हिंद-प्रशांत सुरक्षा अभियानों के लिये एक सामरिक केंद्र** (strategic hub) बनाते हैं।
- INS सह्याद्री:
  - यह **शिवालिक-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17)** की एक **निर्देशित प्रक्षेपास्त्र (guided missile) युक्त स्टील्थ फ्रिगेट** है, जिसे **वर्ष 2012** में भारत की पहली **स्टील्थ फ्रिगेट श्रृंखला** के अंतर्गत नौसेना में सम्मिलित किया गया।
  - **मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई** द्वारा निर्मित इसे एंटी-एयर, एंटी-सरफेस और **एंटी-पनडुब्बी** युद्ध **सहित बहु-भूमिका संचालन के लिये डिज़ाइन किया गया है।**

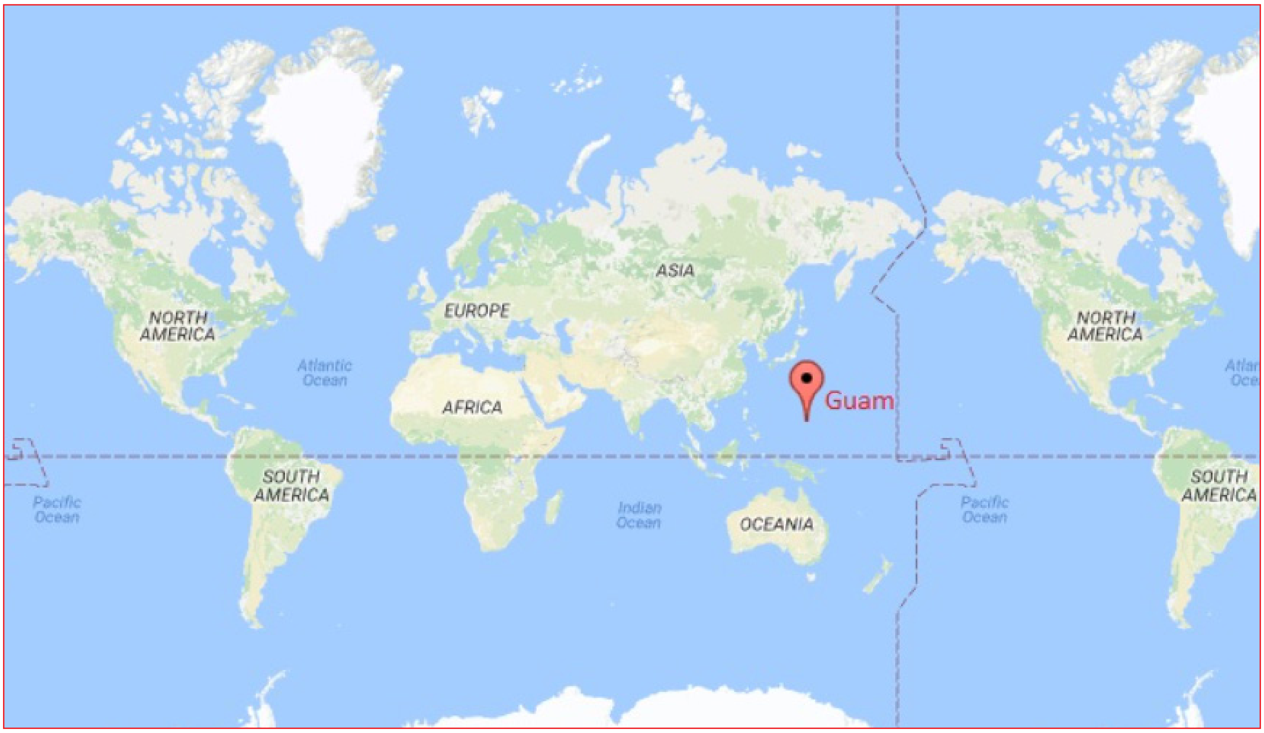

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के प्रवर्तन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। यह अधिनियम सभी नागरिकों, विशेषकर **वंचित एवं दुर्बल वर्गों** को **निशुल्क और निष्पक्ष न्याय तक समान पहुँच** सुनिश्चित करने हेतु **वर्ष 1995** में प्रभावी हुआ था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस:**
  - इस दिवस की शुरुआत **विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम,** 1987 के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) द्वारा की गई थी ।
  - यह दिवस **नागरिकों के कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने**, सभी के लिये न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने और समाज के कमज़ोर वर्गों के लिये न्याय के सिद्धांत को बनाए रखने के लिये मनाया जाता है।
- **विधिक ढाँचा:**
  - विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत गठित इस तंत्र में शामिल प्रमुख संस्थाएँ हैं-
    - **NALSA (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण):** भारत के **मुख्य न्यायाधीश** की अध्यक्षता में।
    - **SLSA (राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण):** संबंधित **उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों** की अध्यक्षता में।
    - **DLSA (ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण):** संबंधित **ज़िला न्यायाधीशों** की अध्यक्षता में।
  - यह ढाँचा आर्थिक और सामाजिक रूप से कमज़ोर वर्गों को **निशुल्क कानूनी प्रतिनिधित्व, परामर्श** तथा **सहायता** प्रदान करता है, जिसका वित्तपोषण **राष्ट्रीय, राज्य एवं ज़िला कानूनी सहायता निधियों** के माध्यम से किया जाता है।
    - इसके अतिरिक्त, लोक अदालतें, **कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (LADCS), फास्ट ट्रैक और विशेष न्यायालय** तथा ग्राम न्यायालय **एवं नारी अदालत** जैसी पूरक संस्थाएँ एवं योजनाएँ भी इस ढाँचे के अंतर्गत कार्यरत हैं, जो **विवाद समाधान एवं न्याय तक पहुँच को अधिक सुलभ व प्रभावी** बनाती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया, जो स्वतंत्र भारत के **प्रथम शिक्षा मंत्री** तथा देश की **आधुनिक शिक्षा प्रणाली के प्रमुख वास्तुकार** मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की **137वीं जयंती** के अवसर पर आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस:**
  - यह दिवस प्रतिवर्ष **11 नवंबर** को **मौलाना अबुल कलाम आज़ाद** (1888-1958) की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है।
  - इस दिवस की घोषणा सर्वप्रथम **वर्ष 2008** में तत्कालीन **मानव संसाधन विकास मंत्रालय** (अब शिक्षा मंत्रालय) द्वारा की गई थी।
- **मौलाना अबुल कलाम आज़ाद:**
  - उनका जन्म **11 नवंबर, 1888** को **मक्का** में हुआ था और बाद में वे **कलकत्ता (कोलकाता)** में बस गए, जहाँ वे एक प्रमुख **विद्वान तथा राष्ट्रवादी** के रूप में उभरे।
  - उन्होंने स्वतंत्र भारत के **प्रथम शिक्षा मंत्री** (1947-1958) के रूप में कार्य किया और **वैज्ञानिक, तकनीकी तथा सांस्कृतिक शिक्षा** को सुदृढ़ करने के लिये महत्त्वपूर्ण सुधार किये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान** (IIT) और **भारतीय विज्ञान संस्थान** (IISc) के साथ-साथ साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी तथा संगीत नाटक अकादमी जैसी सांस्कृतिक संस्थाओं की स्थापना में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे।
- उनके महान योगदान को देखते हुए उन्हें **वर्ष 1992 में मरणोपरांत** भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB)

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में **भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) का उद्घाटन किया।**

मुख्य बिंदु

- **बैटरी के बारे में:**
  - 3 MWh क्षमता वाली **वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी** (VRFB) का विकास राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) के **राष्ट्रीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी अनुसंधान गठबंधन** (NETRA) द्वारा किया गया है।
  - इसका उद्देश्य **बड़े स्तर पर** नवीकरणीय ऊर्जा **एकीकरण** और **ग्रिड स्थिरता** के लिये **दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण** (LDES) **प्रौद्योगिकी** का प्रदर्शन करना है।
- **विशेषताएँ:**
  - यह बैटरी **विभिन्न ऑक्सीकरण अवस्थाओं में वैनेडियम आयनों** का उपयोग कर **विद्युत ऊर्जा का कुशल भंडारण और निर्वहन** करती है।
  - यह प्रणाली लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में **दीर्घ परिचालन आयु** और **उत्कृष्ट मापनीयता प्रदान** करती है।
  - इसमें प्रयुक्त **गैर-ज्वलनशील इलेक्ट्रोलाइट्स** इसे **बड़े स्तर पर ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों** के लिये अत्यंत सुरक्षित बनाते हैं।
  - यह **ग्रिड-स्तरीय नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण, माइक्रोग्रिड संचालन** तथा **पीक-लोड प्रबंधन** के लिये उपयुक्त है।
  - VRFB को **सौर एवं** पवन ऊर्जा **जैसे अक्षय स्रोतों के ग्रिड एकीकरण** हेतु एक **स्थायी और विश्वसनीय विकल्प** के रूप में देखा जा रहा है।

बुकर पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

लेखक **डेविड स्ज़ेले** को उनके काल्पनिक उपन्यास **फ्लेश** (**Flesh**) के लिये वर्ष **2025 के** बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **डेविड स्ज़ेले के बारे में:**
  - **डेविड स्ज़ेले** एक **हंगेरियन-ब्रिटिश उपन्यासकार हैं,** जो अपनी **सटीक, संक्षिप्त शैली** और **पुरुषत्व पहचान तथा समकालीन यूरोपीय जीवन** की गहरी खोज के लिये जाने जाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- अपने उपन्यास फ्लेश के माध्यम से, उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा को और मज़बूत किया है। वे **साधारण पुरुषों के आंतरिक जीवन** को असाधारण रूप से चित्रित करते हैं तथा उनके व्यक्तिगत संघर्षों को **व्यापक सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश** के संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं।

- **बुकर पुरस्कार के बारे में:**
  - बुकर पुरस्कार (पूर्व में मैन बुकर पुरस्कार) विश्व के **सबसे प्रतिष्ठित** साहित्यिक पुरस्कारों में से एक है।
  - इसे वर्ष 1969 में स्थापित किया गया था और यह **बुकर पुरस्कार फाउंडेशन** द्वारा संचालित किया जाता है।
  - यह पुरस्कार **अंग्रेज़ी में लिखा गया और यूके या आयरलैंड में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ मौलिक पूर्ण-कालिक उपन्यास** को सम्मानित करता है। वर्ष 2014 से **किसी भी राष्ट्रीयता के लेखक** इसके लिये प्रतियोगिता में भाग लेने के **पात्र हैं।**
  - इस पुरस्कार का उद्देश्य **अंग्रेज़ी भाषा के साहित्य में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना** और **पाठकों के व्यापक वर्ग को आकर्षित करना** है।
  - भारत के पुरस्कार विजेताओं में **अरुंधति रॉय (1997), किरण देसाई (2006) और अरविंद अडिगा (2008)** शामिल हैं।

बुकर पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार के बीच अंतर

- **बुकर पुरस्कार** पहली बार **वर्ष 1969** में प्रदान किया गया और यह मूलत: **अंग्रेज़ी में लिखी गई सर्वश्रेष्ठ एकल कथा कृति** के लिये दिया जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की स्थापना **वर्ष 2005** में की गई और यह किसी भी अन्य भाषा से **अंग्रेज़ी में अनुवादित सर्वश्रेष्ठ एकल कथा कृति** के लिये दिया जाता है।
  - यह पुरस्कार **लेखक और अनुवादक दोनों की उपलब्धियों** को मान्यता प्रदान करता है।

अमोनियम नाइट्रेट

चर्चा में क्यों?

दिल्ली के लाल किले के समीप हुए विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट के उपयोग की संभावना के चलते यह रसायन **चर्चा का विषय बन गया।**

मुख्य बिंदु

- **रसायन के बारे में:**
  - **शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट (NH_4NO_3)** एक **सफेद, क्रिस्टलीय, जल में घुलनशील, नाइट्रोजन-युक्त यौगिक** है, जिसे **अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल** की अभिक्रिया से तैयार किया जाता है तथा यह लगभग 170°C पर पिघलता है।
  - इस पदार्थ को एक **ऑक्सीकरण अभिकर्मक** के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह व्यावसायिक विस्फोटकों के निर्माण में उपयोग होने वाला एक प्रमुख घटक है।
  - इसे '**दोहरे उपयोग**' वाले पदार्थ की श्रेणी में रखा गया है, यानी इसका एक ओर **वैध औद्योगिक** उपयोग है, जबकि दूसरी ओर **इसका हथियार के रूप में भी प्रयोग** किया जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उपयोग:**
  - **उच्च पोषक तत्त्व सामग्री के कारण** कृषि में इसका उपयोग व्यापक रूप से **नाइट्रोजन उर्वरक के रूप में** किया जाता है।
  - **इसका उपयोग खदानों और उत्खनन परियोजनाओं** में नियंत्रित विस्फोट के लिये किया जाता है तथा यह **खनन-ग्रेड विस्फोटकों** में प्रयुक्त विभिन्न इमल्शन एवं जैल का एक प्रमुख घटक भी है।
- **अमोनियम नाइट्रेट का शस्त्रीकरण:**
  - शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट **अपने आप में विस्फोटक नहीं** है और इसे **संयुक्त राष्ट्र के खतरनाक पदार्थों के वर्गीकरण** के तहत **ऑक्सीकारक के रूप में वर्गीकृत** किया गया है।
  - यह **ईंधन तेल, पोटेशियम क्लोरेट, सल्फर या अन्य त्वरकों** के साथ मिलाए जाने पर वाष्पशील रूप में परिवर्तित हो जाता है।
  - इस मिश्रण से ANFO (**अमोनियम नाइट्रेट-फ्यूल ऑयल**) का निर्माण होता है, जो आमतौर पर उपयोग किया जाने वाला एक **विस्फोटक** है।
  - हालाँकि **ANFO में** स्वयं विस्फोट नहीं हो सकता, इसे सक्रिय करने के लिये **डेटोनेटर जैसे ट्रिगर** की आवश्यकता होती है, जो आमतौर पर RDX या TNT जैसे प्राथमिक **विस्फोटकों** द्वारा संचालित होता है।

गरुड़ अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय वायु सेना (IAF) **फ्राँसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना** (FASF) के साथ आयोजित द्विपक्षीय वाय अभ्यास **गरुड़-25** के 8वें संस्करण में भाग ले रही है।

मुख्य बिंदु

- **गरुड़ अभ्यास: परिचय**
  - **"गरुड़" भारतीय और** फ्राँसीसी वायु सेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय वायु अभ्यास है, जो **वर्ष 2003** से **समय-समय पर आयोजित** किया जाता है।
  - यह भारत द्वारा किसी विदेशी वायु सेना के साथ किये जाने वाले **उच्चतम स्तर के वायु अभ्यासों** में से एक है और बारी-बारी से भारत तथा फ्राँस में आयोजित होता है।
    - इसके प्रमुख उद्देश्यों में पारस्परिक परिचालन क्षमताओं **को बढ़ाना, रणनीति साझा करना, परिचालन संबंधी जानकारी का निर्माण करना और रणनीतिक संबंध बनाना** शामिल है।
- **2025 संस्करण: परिचय**
  - **गरुड़ अभ्यास का 8वाँ संस्करण (गरुड़-25) फ्राँस के मोंट-डी-मार्सन मिलिट्री बेस** में **16 से 27 नवंबर, 2025** तक आयोजित किया जा रहा है।
  - भारतीय वायु सेना (IAF) का दस्ता, जिसमें Su-30MKI लड़ाकू विमान, **IL-78 रीफ्यूलर** तथा **C-17 ग्लोबमास्टर III** एयर-लिफ्ट विमान शामिल हैं, फ्राँस के मल्टी-रोल लड़ाकू विमानों (French Multirole Fighters) के साथ मिलकर जटिल सिम्युलेटेड मिशनों में भाग लेगा। इन मिशनों में **एयर-टू-एयर कॉम्बैट, वायु रक्षा** और **संयुक्त स्ट्राइक ऑपरेशन्स** शामिल होंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

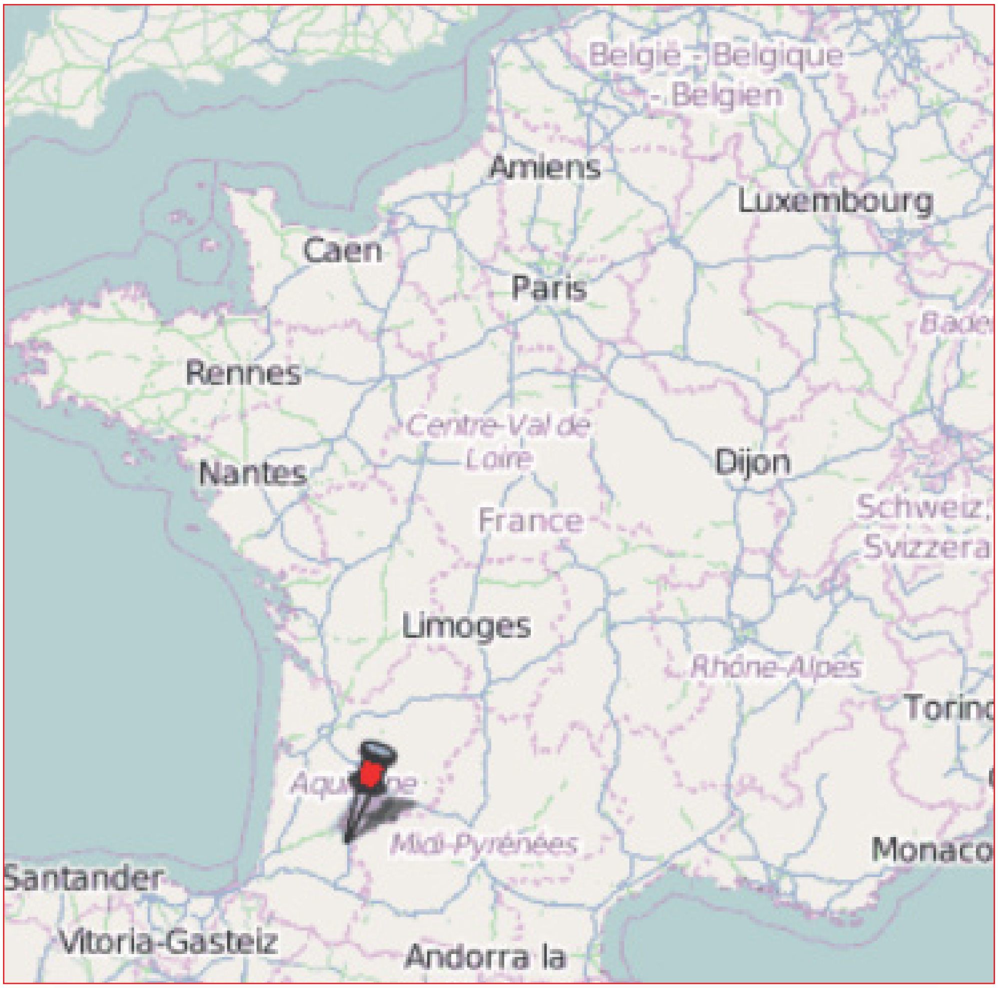

अजय वारियर-25 अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

भारत और यूनाइटेड किंगडम ने भारतीय सेना तथा ब्रिटिश सेना के मध्य द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास **अजय वारियर-25** के 8वें संस्करण की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- **अभ्यास के बारे में:**
  - अजय वारियर भारतीय सेना और ब्रिटिश सेना के बीच एक **द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास** है, जो वर्ष 2011 से **द्विवार्षिक रूप से आयोजित** किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसका उद्देश्य अंतर-संचालनीयता बढ़ाना, सामरिक समन्वय में सुधार लाना तथा आतंकवाद-रोधी और शांति अभियानों **में श्रेष्ठ प्रथाओं** का आदान-प्रदान करना है।
- यह अभ्यास **संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश** के तहत आयोजित किया जाता है, विशेषकर **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII** के अनुरूप, जो शांति के लिये खतरे, शांति भंग और आतंकवाद रोधी परिदृश्यों से संबंधित शांति स्थापना कर्त्तव्यों से संबंधित है।

- **संस्करण 2025**
  - 8वाँ संस्करण 17 से 30 नवंबर, 2025 तक **फॉरेन ट्रेनिंग नोड**, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज, राजस्थान में आयोजित किया जा रहा है।
  - इसमें दोनों सेनाओं से समान प्रतिनिधित्व के साथ कुल 240 कर्मी भाग ले रहे हैं। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व **सिख रेजिमेंट** कर रही है।
  - प्रशिक्षण में सिमुलेशन-आधारित परिदृश्य, ब्रिगेड-स्तरीय मिशन योजना तथा **वास्तविक जीवन की आतंकवाद विरोधी परिस्थितियों से** संबंधित क्षेत्रीय अभ्यास शामिल हैं।

विश्व मत्स्य दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत ने **21 नवंबर, 2025 को** विश्व मत्स्य दिवस मनाया, जिसमें **सततता,** नीली अर्थव्यवस्था **के संवर्द्धन तथा** मत्स्यपालकों **की आजीविका में संरचनात्मक सुधार** को केंद्रित करते हुए **गतिविधियों का संचालन किया गया।**

मुख्य बिंदु

- **विश्व मत्स्य दिवस के बारे में:**
  - प्रतिवर्ष 21 नवंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस की उत्पत्ति वर्ष **1997 में विश्व मत्स्य मंच के गठन** से संबद्ध है, जब **18 देशों के प्रतिनिधि नई दिल्ली में** सतत् मत्स्यन तथा मत्स्यपालक समुदायों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से **सम्मिलित हुए थे**, फलस्वरूप **भारत इस वैश्विक आयोजन का उद्गम-स्थल बन गया।**
- **विषय:**
  - वर्ष 2025 का विषय है **'भारत की जलजनित अर्थव्यवस्था में बदलाव: समुद्री खाद्य वस्तुओं के निर्यात में मूल्यवर्धन'**।
- **रैंकिंग:**
  - भारत विश्व का **दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य-उत्पादक देश** है तथा विश्व के शीर्ष **झींगा उत्पादकों** में शामिल है।
  - कुल मत्स्य उत्पादन वर्ष 2013–14 के **96 लाख टन** से बढ़कर वर्ष 2024–25 में **195 लाख टन** हो गया।
  - समुद्री उत्पादों का निर्यात **11.08%** बढ़ा, जो अक्तूबर 2024 में **0.81 अरब अमेरिकी डॉलर** से बढ़कर अक्तूबर 2025 में **0.90 अरब अमेरिकी डॉलर** पहुँच गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रमुख पहल:**
  - सरकार ने सुरक्षित, पारदर्शी और वैश्विक मानकों के अनुरूप समुद्री खाद्य आपूर्ति शृंखला सुनिश्चित करने हेतु **राष्ट्रीय मत्स्य एवं जलीय कृषि अनुरेखण ढाँचा** (National Framework on Traceability in Fisheries & Aquaculture) प्रारंभ किया है।
  - EEZ नियमों के तहत **मत्स्य-संसाधनों के सतत् उपयोग** से पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी गहरे समुद्र में **मत्स्यन को प्रोत्साहन मिलता** है, जिसमें **मत्स्य सहकारी समितियों** और **FFPOs को प्राथमिकता दी जाती है,** जिससे लघु स्तर के मत्स्यपालकों के लिये आय के अवसर सृजित होते हैं।
  - **ReALCRaft एक डिजिटल मंच** है, जो **ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग, ई-पेमेंट तथा पोत डेटा अपडेट की सुविधा** देता है और एकीकृत निरीक्षणों के माध्यम से **पेपरलेस मत्स्य प्रशासन** सुनिश्चित करता है।
  - नभमित्र (**NABHMITRA**) 20 मीटर से कम आकार वाले छोटे पोतों हेतु **दो-तरफा उपग्रह संचार प्रणाली** है, जो वास्तविक समय में **ट्रैकिंग, SOS अलर्ट और मौसम अपडेट प्रदान** करती है, जिससे मत्स्यपालकों की सुरक्षा तथा तटीय प्राधिकरणों के साथ **समन्वय में सुधार होता है।**

गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत के राष्ट्रपति ने **24 नवंबर, 2025 को** गुरु तेग बहादुर **के 350वें शहीदी** दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **उन्हें 24 नवंबर, 1675 को कश्मीरी पंडितों को** जबरन धर्म परिवर्तन **से** बचाने के लिये औरंगज़ेब द्वारा फाँसी दे दी गई थी। **दिल्ली के चाँदनी चौक में स्थित शीशगंज साहिब गुरुद्वारा** उनके फाँसी स्थल के रूप में प्रसिद्ध है।

मुख्य बिंदु

गुरु तेग बहादुर के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - वर्ष 1621 में अमृतसर में जन्मे गुरु तेग बहादुर को उनके तपस्वी स्वभाव के कारण शुरू में **त्यागमल** के नाम से जाना जाता था। **धार्मिक दर्शन एवं युद्ध कौशल में प्रशिक्षित होने के साथ युद्ध में वीरता के लिये उन्हें "तेग बहादुर" की उपाधि** प्रदान की गई।
- **गुरु के रूप में योगदान:**
  - **वर्ष 1664 में गुरु हरकिशन** के बाद **9 वें सिख गुरु** बने। **इन्होंने वर्ष 1665 में** आनंदपुर साहिब की स्थापना की तथा समानता, न्याय और भक्ति पर ध्यान केंद्रित करते हुए **गुरु ग्रंथ साहिब** में 700 से अधिक भजनों का योगदान दिया।
- **विरासत:**
  - **इन्होंने औरंगज़ेब के** शासनकाल के दौरान जबरन **धर्मांतरण का विरोध किया** तथा अपने अनुयायियों के बीच **निर्भयता (निरभौ) और सद्भाव (निरवैर)** को प्रोत्साहित किया।
  - **धर्म और अंत:करण की स्वतंत्रता** की रक्षा के लिये उन्हें **"हिंद-दी-चादर"** (भारत की ढाल) के रूप में सम्मानित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सिख धर्म के दस गुरु:	
गुरु नानक देव (1469-1539)	◆ ये सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक थे। ◆ इन्होंने 'गुरु का लंगर' की शुरुआत की। ◆ ये बाबर के समकालीन थे। ◆ **गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर** करतारपुर कॉरिडोर को शुरू किया गया था।
गुरु अंगद (1504-1552)	◆ इन्होंने गुरुमुखी नामक नई लिपि का आविष्कार किया और 'गुरु का लंगर' प्रथा को लोकप्रिय बनाया।
गुरु अमर दास (1479-1574)	◆ इन्होंने आनंद कारज विवाह (Anand Karaj Marriage) समारोह की शुरुआत की। ◆ इन्होंने सिखों के बीच सती और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त किया। ◆ ये अकबर के समकालीन थे।
गुरु राम दास (1534-1581)	◆ इन्होंने वर्ष 1577 में अकबर द्वारा दी गई ज़मीन पर अमृतसर की स्थापना की। ◆ इन्होंने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर (Golden Temple) का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुन देव (1563-1606)	◆ इन्होंने वर्ष 1604 में **आदि ग्रंथ** की रचना की। ◆ इन्होंने स्वर्ण मंदिर का निर्माण कार्य पूरा किया। ◆ ये **शाहिदीन-दे-सरताज (Shaheeden-de-Sartaj)** के रूप में प्रचलित थे। ◆ इन्हें जहाँगीर ने राजकुमार खुसरो की मदद करने के आरोप में मार दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गुरु हरगोबिंद (1594-1644)	◆ इन्होंने सिख समुदाय को एक सैन्य समुदाय में बदल दिया। इन्हें **"सैनिक संत"** (Soldier Saint) के रूप में जाना जाता है। ◆ इन्होंने अकाल तख्त की स्थापना की और अमृतसर शहर को मज़बूत किया। ◆ इन्होंने जहाँगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध छेड़ा।
गुरु हर राय (1630-1661)	◆ ये शांतिप्रिय व्यक्ति थे और इन्होंने अपना अधिकांश जीवन औरंगज़ेब के साथ शांति बनाए रखने तथा मिशनरी काम करने में समर्पित कर दिया।
गुरु हरकिशन (1656-1664)	◆ ये अन्य सभी गुरुओं में सबसे कम आयु के गुरु थे और इन्हें 5 वर्ष की आयु में गुरु की उपाधि दी गई थी। ◆ इनके खिलाफ औरंगज़ेब द्वारा इस्लाम विरोधी कार्य के लिये सम्मन जारी किया गया था।
गुरु तेग बहादुर (1621-1675)	◆ इन्होंने आनंदपुर साहिब की स्थापना की।
गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)	◆ इन्होंने वर्ष 1699 में **'खालसा'** नामक योद्धा समुदाय की स्थापना की। ◆ इन्होंने एक नया संस्कार **"पाहुल"** (Pahul) शुरू किया। ◆ ये मानव रूप में अंतिम सिख गुरु थे और इन्होंने **'गुरु ग्रंथ साहिब'** को सिखों के गुरु के रूप में नामित किया।

हायली गुब्बी ज्वालामुखी

चर्चा में क्यों ?

इथियोपिया में स्थित हायली गुब्बी ज्वालामुखी में भयंकर विस्फोट हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप **हज़ारों मीटर** ऊँचाई तक **राख के विशाल** गुबार उठे। इन राख कणों का एक भाग **भारतीय वायुक्षेत्र** में प्रवेश कर गया है, जिसके कारण **विमानन-संबंधी चेतावनी** जारी की गई है।

मुख्य बिंदु

हायली गुब्बी ज्वालामुखी के बारे में:

- यह ज्वालामुखी **उत्तरी-पूर्वी इथियोपिया** के **अफार क्षेत्र** में स्थित है और दानाकिल डिप्रेशन का हिस्सा है, जो पृथ्वी के **सबसे गर्म** तथा **सबसे निम्न** स्थलों में से एक है।
- यह विस्फोट **महत्त्वपूर्ण** है, क्योंकि अफार क्षेत्र से प्राप्त भू-वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ऐसा माना जाता है कि यह ज्वालामुखी लगभग **12,000 वर्षों** के बाद सक्रिय हुआ है।
- यह विस्फोट **पूर्वी अफ्रीकी दरार प्रणाली** (EARS) की **भू-वैज्ञानिक अस्थिरता** को रेखांकित करता है, जहाँ सक्रिय ज्वालामुखी, दरार-विस्फोट तथा विस्तृत रेखाएँ सामान्य हैं।
- यह विश्व की अत्यंत **विवर्तनिक रूप से सक्रिय** दरार प्रणालियों में से एक है, जहाँ **अरब, न्युबियन** और **सोमाली** विवर्तनिक प्लेटें **अपसरण** कर रही हैं।
- इस क्षेत्र की विशेषता **बेसाल्टिक लावा,** फिशर प्रणालियाँ और महाद्वीपीय विखंडन प्रक्रिया से संबद्ध लगातार **भूकंपीय गतिविधियाँ हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

ज्वालामुखीय राख और विमानन जोखिम

- ज्वालामुखीय राख **अत्यंत सूक्ष्म, घर्षणकारी चट्टानी तथा काँचीय कणों** से बनी होती है, जो जेट इंजनों के भीतर प्रवेश कर पिघल सकती है और **गंभीर क्षति** पहुँचा सकती है।
- जब राख पिघलकर टरबाइन ब्लेड पर **पुनः जम जाती है तो** जेट इंजन **बंद हो सकते हैं।**

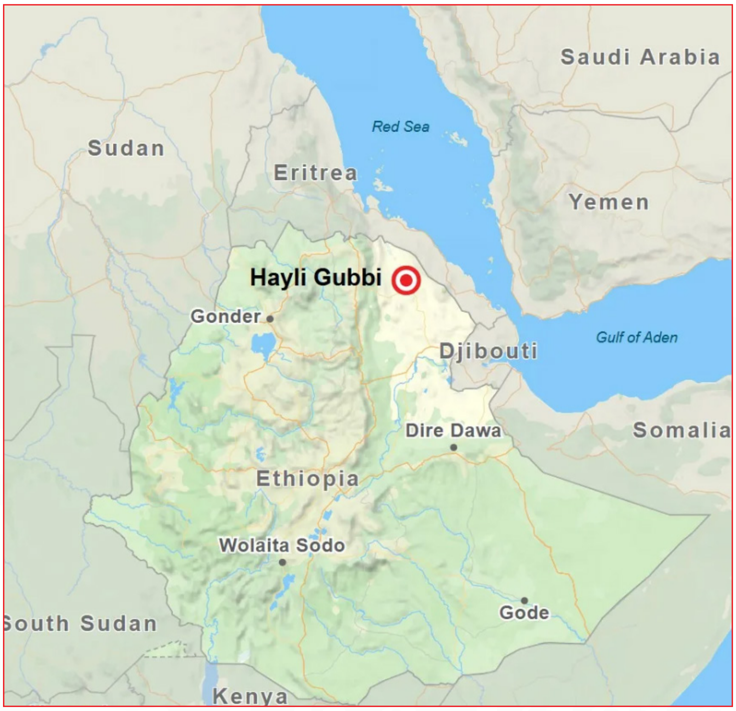

नई चेतना 4.0 अभियान

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय **ग्रामीण विकास मंत्री** ने **केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री** के साथ मिलकर दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत एक राष्ट्रीय पहल 'नई चेतना 4.0' का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **पहल के बारे में:**
  - **नई चेतना - परिवर्तन की पहल** का चौथा संस्करण विशेष रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं की **सुरक्षा**, गतिशीलता, सम्मान और **सामाजिक-आर्थिक भागीदारी** को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है
  - यह अभियान DAY-NRLM के तहत स्वयं सहायता समूहों (SHG) के व्यापक नेटवर्क के नेतृत्व में **25 नवंबर से 23 दिसंबर, 2025 तक संपूर्ण देश में संचालित** किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसमें नशा-उन्मूलन पर विशेष ज़ोर दिया गया है, जिसे घरेलू हिंसा का प्रमुख कारण माना गया है तथा **गाँव-स्तरीय अभियानों** के माध्यम से **हिंसा-मुक्त समुदायों** को बढ़ावा दिया जाएगा।
- यह पहल **शासन में महिलाओं की स्थिति, सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, साझी घरेलू ज़िम्मेदारियाँ** तथा **महिलाओं की आर्थिक भूमिकाओं की मान्यता** को रेखांकित करती है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- इस मिशन को वर्ष 2011 में प्रारंभ किया गया था तथा इसकी क्रियान्वयन संरचना और पहुँच को सुदृढ़ करने हेतु वर्ष **2015 में इसका पुनर्गठन किया गया**।
- मिशन का क्रियान्वयन ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- इस योजना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (SHG) के माध्यम से स्वरोज़गार, कौशल विकास और **स्थायी आजीविका को** बढ़ावा देकर ग्रामीण गरीबी को कम **करना है।**
- यह मुख्यतः ग्रामीण महिलाओं को SHGs में संगठित करने, उन्हें **क्रेडिट लिंकिंग, क्षमता-विकास सहायता** तथा **बाज़ारों तक बेहतर पहुँच** प्रदान करने पर केंद्रित है।
- इसमें **वित्तीय समावेशन**, डिजिटल साक्षरता तथा **आजीविका गतिविधियों के विविधीकरण** जैसे प्रमुख घटक शामिल हैं, जिनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में **पारिवारिक आय** में सुधार और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

भारत में राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन

चर्चा में क्यों?

भारत के आधिकारिक रूप से **शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030** की मेज़बानी का अधिकार प्राप्त करने पर प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को बधाई दी। यह खेलों के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **मेज़बानी के बारे में:**
  - शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन **भारत** के अहमदाबाद मे किया जाएगा।
  - यह **उपलब्धि** भारत के लिये एक **प्रमुख कूटनीतिक एवं खेल संबंधी सफलता** है, जिसने **वैश्विक** खेल प्रशासन में देश की **दृश्यता** और **विश्वसनीयता** में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की है।
  - यह मेज़बानी भारत के **दीर्घकालिक खेल दृष्टिकोण** के अनुरूप है, विशेष रूप से **खेल अवसंरचना** को उन्नत करने, **वैश्विक आयोजन मेज़बानी क्षमता** को सुदृढ़ करने तथा खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम (TOP) योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से **एथलीटों** को समर्थन बढ़ाने के प्रयासों के अनुरूप है।
  - भारत ने अंतिम बार वर्ष **2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों** की मेज़बानी की थी।
- **राष्ट्रमंडल खेल:**
  - **राष्ट्रमंडल खेल (CWG)** एक **अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन** है जो प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित होता है, जिसमें सभी **56 राष्ट्रमंडल देशों** के **एथलीट** भाग लेते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पहली बार वर्ष 1930 में **हैमिल्टन, कनाडा** में **ब्रिटिश एंपायर गेम्स** के रूप में आयोजित किया गया था।
- भारत ने पहली बार वर्ष 1934 के **लंदन राष्ट्रमंडल खेलों** में भाग लिया था।
- इस आयोजन का संचालन राष्ट्रमंडल खेल (जिसे पहले **राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के नाम से जाना जाता था**) द्वारा किया जाता है, जिसका मुख्यालय **लंदन (इंग्लैंड)** में है, जो यह सुनिश्चित करता है कि खेल **मानवता, समानता** और **नियति** के मूल्यों को बनाए रखें।
- **वर्ष 2026 के राष्ट्रमंडल खेल स्कॉटलैंड के ग्लासगो** में आयोजित होंगे।

राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री **मनोहर लाल** ने भारत में **शहरी परिवर्तन को गति देने** हेतु **यशोभूमि, नई दिल्ली में** राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025 **का उद्घाटन किया।**

- यह **दो दिवसीय सम्मेलन "सतत् शहरी विकास और शासन"** के विषय पर आधारित है, जिसका उद्देश्य **शहरी नवाचार, निवेश तथा शासन** पर विचार-विमर्श करना है।

मुख्य बिंदु

शुरू की गई प्रमुख पहलें

- **मिशन-मार्ग डंपसाइट सुधार (DRAP):**
  - DRAP एक **वार्षिक राष्ट्रीय पहल** है, जिसका उद्देश्य **पुरानी अपशिष्ट डंपसाइटों (legacy waste dumpsites) की त्वरित सफाई करना** तथा **सितंबर 2026 तक मूल्यवान शहरी भूमि** का पुनः अर्जन करना है।
  - यह 202 शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) में 214 उच्च प्रभाव वाले लैंडफिल स्थलों पर ध्यान केंद्रित करती है, **जिनमें भारत का 8.8 करोड़ टन (80%) कचरा** समाहित है।
  - इसका **कार्यान्वयन** 5P ढाँचे के तहत किया जाता है- **राजनीतिक नेतृत्व, सार्वजनिक वित्त, जन-सहायता, परियोजना प्रबंधन** और **साझेदारी**।
  - DRAP में **प्रगति निगरानी और पारदर्शिता** के लिये एक समर्पित राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से **रीयल-टाइम मॉनिटरिंग** भी शामिल है।
- **अर्बन इन्वेस्ट विंडो (UiWIN):**
  - आवास एवं शहरी विकास निगम (HUDCO) द्वारा संचालित **UiWIN**, शहरी अवसंरचना के लिये **वन-स्टॉप निवेश सुविधा मंच** है।
  - इसका उद्देश्य **निजी और बहुपक्षीय फंडिंग (जैसे- विश्व बैंक, एडीबी)** को आकर्षित करना है, ताकि अपशिष्ट प्रबंधन, **गतिशीलता, जल, सीवेज तथा जलवायु-प्रतिरोधी अवसंरचना परियोजनाओं** के लिये दीर्घकालिक तथा अनुदानात्मक वित्तपोषण उपलब्ध हो सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्वच्छ भारत मिशन – नॉलेज मैनेजमेंट यूनिट (KMU):**
  - यह **SBM-अर्बन** के तहत संस्थागत शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिये **NIUA** द्वारा संचालित एक समर्पित ज्ञान और क्षमता निर्माण मंच है।
- **अमृत गान "जल ही जननी":**
  - यह अटल मिशन फॉर रेजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT) के तहत **जल संरक्षण जागरूकता** को बढ़ावा देता है।

भारत उष्ण कटिबंधीय वन निधि में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल

चर्चा में क्यों ?

भारत **ब्राज़ील** के नेतृत्व वाली ट्रॉपिकल फॉरेस्ट फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF) में **पर्यवेक्षक** के रूप में शामिल हो गया है, जो पेरिस समझौते के तहत बहुपक्षीय जलवायु कार्रवाई में उसकी **प्रतिबद्धता** की पुष्टि करता है, जिसकी इस वर्ष **10वीं वर्षगाँठ** है।

मुख्य बिंदु

- **ट्रॉपिकल फॉरेस्ट फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF) के बारे में:**
  - इसे **ब्राज़ील** द्वारा **नवंबर 2025** में **बेलेम, ब्राज़ील** में आयोजित COP30 में लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य **वित्तीय प्रोत्साहन** के माध्यम से उष्ण कटिबंधीय वनों के **संरक्षण और पुनर्स्थापन** के लिये देशों को पुरस्कृत करना है।
  - इसका कार्य **सार्वजनिक और निजी निवेश** के माध्यम से **125 बिलियन अमेरिकी डॉलर** जुटाना **तथा वन संरक्षण** एवं **विस्तार में मापनीय सफलता** के आधार पर राष्ट्रों को लाभ वितरित करना है।
    - इस पहल का लक्ष्य वन संरक्षण **और जलवायु अनुकूलन** के लिये **परिणाम-आधारित वैश्विक वित्त मॉडल** का निर्माण करना तथा वैश्विक जलवायु एजेंडे में **उष्ण कटिबंधीय देशों की भूमिका** को सशक्त बनाना है।
- **COP30 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन:**
  - UNFCCC सम्मेलन के 30वें सत्र, COP30 का आयोजन **10 से 21 नवंबर, 2025 तक ब्राज़ील के बेलेम** में किया जा रहा है।
  - यह पेरिस समझौते (2015-2025) की **10वीं वर्षगाँठ का प्रतीक है** और इसके तहत की गई प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन पर केंद्रित है।
  - एजेंडा में पेरिस लक्ष्यों पर **प्रगति की समीक्षा करना**, अद्यतन और महत्त्वाकांक्षी NDCs (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) के लिये प्रयास करना तथा जलवायु अनुकूलन एवं शमन के लिये अधिक वित्तपोषण व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुनिश्चित करना शामिल है।
- **कार्रवाई के छह स्तंभ:**
  - **उत्सर्जन शमन (Mitigation):** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
  - **अनुकूलन (Adaptation):** जलवायु प्रभावों के प्रति लचीलापन विकसित करना।
  - **वित्त (Finance):** सार्वजनिक और निजी जलवायु निधियों को जुटाना।
  - **प्रौद्योगिकी (Technology):** नवाचार और स्वच्छ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
  - **क्षमता निर्माण (Capacity-Building):** स्थानीय कार्यकर्त्ताओं और प्रणालियों को सशक्त करना।
  - **कार्यान्वयन साधन (Means of Implementation):** सभी प्रयासों को व्यावहारिक और मूल परिवर्तन में एकीकृत करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारत की जलवायु प्रगति

- भारत ने वर्ष **2005 से 2020** के बीच **उत्सर्जन तीव्रता में 36%** की कमी प्राप्त की है, जो उसके प्रारंभिक **NDC लक्ष्यों** से अधिक है।
- इसके अलावा, भारत ने **200 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** स्थापित की है, जो वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है तथा **गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत** कुल विद्युत क्षमता का **50% से अधिक** है।
- भारत का **वन और वृक्षावरण अब 25.17% क्षेत्र** में विस्तृत है, जिससे वर्ष **2005 से 2021** के बीच अतिरिक्त **2.29 बिलियन टन CO_2 समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सिंक** का निर्माण हुआ है ।
- वैश्विक स्तर पर, भारत प्रमुख हरित पहलों जैसे कि फ्राँस के साथ अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) (2015) और राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन तथा **जैव ईंधन कार्यक्रम** जैसे घरेलू प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा मिल रहा है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME